

करीब 950 किलोमीटर लंबी यह यात्रा लगभग 70 दिन में अयोध्या स्थिर राम मंदिर पहुंचेगी। दूसरे दिन यात्रा पिंजलेश्वर जोड़, नहरिया जोड़, सायरखेड़ी और देवनखेड़ी होते हुए ताजपुर जोड़ पहुंचने के कार्यक्रम का अनुशास्य थी। यहां भोजन और विश्राम के बाद यात्रा अंगरे बस्ती थी। शाम को देवास जिले के सिंदूरिया गांव में पड़ाव प्रस्तावित था। दिग्विजय सिंह ने यात्रा को शिव धाम से राम धाम तक की यात्रा बताया। उन्होंने समर्थकों के साथ बम-बम भोले का उद्घोष किया, जिस पर समर्थकों ने जय सियाराम कहा। दिग्विजय ने कहा कि सनातनी परंपरा कभी सीता जी का अपमान नहीं करती। यात्रा पर मंडल से साध्वी बर्नी हाथी रिहारिया उर्फ हर्षादन गिरि ने टिप्पणी की थी। इस पर प्रतिक्रिया पृष्ठने पर दिग्विजय सिंह ने कहा- उनको छोड़ दीजिए। मैं जानता भी नहीं

पॉलिटेक्निक ग्राउंड में रावण दहन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

विजयदशमी पर्व अपने भीतर की बुराइयों, अहंकार और नकारात्मक विचारों को समाप्त करने की देता है प्रेरणा - सांसद हिमांद्री सिंह



विजयादशमी के पावन पर्व पर पॉलिटेक्निक ग्राउंड में रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंच पर रामलीला कार्यक्रम की प्रस्तुति सोहागपुर रामलीला मंडली द्वारा दी गई। कार्यक्रम में सांसद हिमाद्री सिंह एवं जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह ने उपस्थित जनसमूह को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। जनप्रतिनिधियों ने भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने, बुराई पर अच्छाई की विजय और भारतीय परंपराओं एवं संस्कृति को सहेजकर रखने का संदेश दिया। सांसद हिमाद्री सिंह ने विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विजयादशमी केवल रावण दहन का पर्व नहीं, बल्कि यह अपने भीतर की बुराइयों, अहंकार और नकारात्मक विचारों को समाप्त करने की प्रेरणा भी देता है। हमें भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाते हुए अपनी संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बुराई बहुत दिनों तक नहीं टिकती। एक न एक दिन बुराई का अंत अवश्य होता है। हमारी परंपराओं और संस्कृति में ऐसे संदेश समाहित हैं, जिन्हें हमें आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज मंच पर सोहागपुर



रामलीला मंडली को देखकर प्रसन्नता होती है, जो वर्षों से अपनी परंपरा को जीवंत बनाए हुए है। पीढ़ी दर पीढ़ी इस परंपरा को आगे बढ़ाकर मंडली के सदस्य हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। इस तरह के आयोजन समाज को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ते हैं तथा नई पीढ़ी को हमारी सांस्कृतिक धरोहर से परिचित कराते हैं। विधायक मनीषा सिंह ने कहा कि विजयादशमी का पर्व हमें सत्य की असत्य पर और धर्म की अधर्म पर विजय का संदेश देता है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के

का कारण बनता है, जबकि सत्य, सदाचार और धर्म के मार्ग पर चलकर जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। विधायक मनीषा सिंह ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम हम सभी के प्रेरणास्रोत और आदर्श हैं। उनके जीवन के आदर्शों को आत्मसात कर हम अपने परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों को संस्कारित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने भी उपस्थित जनसमूह को विजयादशमी की शुभकामनाएं दी। पॉलिटेक्निक ग्राउंड में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम ने उपस्थित जनसमूह को सत्य, धर्म, सदाचार और सामाजिक संस्कारों का संदेश दिया। कार्यक्रम लकी चतुर्वेदी की टीम द्वारा सांस्कृतिक गीतों की प्रस्तुती भी दी गई। कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, डीएफओ तरूणा वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान, एसडीएम सोहागपुर अमृता गर्ग, नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा डोली, जिला योजना समिति अमिता चपरा, समाज सेवी अजय अवस्थी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमित तिवारी, संतोष लोहानी सहित पार्षदागण सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

उपस्थिति रही। समारोह में मुख्य रूप से माननीया विधायक मनीषा सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा, पुलिस महानिरीक्षक एन. चेत्रा, पुलिस उप महानिरीक्षक विवेक सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल, कलेक्टर पार्थ जायसवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति तथा डी.एफ.ओ. उत्तमर वन मंडल तरूणा वर्मा शामिल हुए। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र और पुष्पांजलि अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और परेड द्वारा शोक सलामी दी गई। इस अवसर पर अमर शहीदों के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया और उनके त्याग व बलिदान के प्रति कुतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे तथा सभी ने मौन धारण कर अमर शहीदों को नमन किया।

एन.डी.पी.एस. एक्ट में फरार वाहन मालिक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले में मादक पदार्थों के अवैध परिवहन, तस्करी एवं बिज्जी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु निरंतर निर्देश दिए जा रहे हैं। इसी क्रम में थाना जयसिंहनगर पुलिस द्वारा एन.डी.पी.एस. एक्ट के अंतर्गत पंजीबद्ध प्रकरण में फरार आरोपी बाबूलाल प्रजापति को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है। थाना जयसिंहनगर पुलिस टीम द्वारा एक सदिग्ध

ट्रक के केबिन में छिपाकर रखी गई 20 बोरियों से कुल 735 किलो 440 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया था। पुलिस द्वारा गांजा कीमती लगभग 73 लाख 50 हजार रुपये, ट्रक कीमती लगभग 40 लाख रुपये तथा तीन मोबाइल फोन कीमती लगभग 5 हजार रुपये, इस प्रकार कुल लगभग 1 करोड़ 13 लाख 55 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की गई थी।

पंडित शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में युगपुरुष पंडित शम्भूनाथ शुक्ल का पुण्य स्मरण



शहडोल (स्वतंत्रमत)। पंडित शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में विश्वविद्यालय के नामकरण को गौरवान्वित करने वाले महान व्यक्तित्व, युगपुरुष पंडित शम्भूनाथ शुक्ल का श्रद्धापूर्वक पुण्य स्मरण किया गया। इस अवसर पर उनके व्यक्तित्व, कृतित्व एवं समाज के प्रति उनके योगदान का स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपुरु प्रो. रामशंकर ने परिसर में पंडित शम्भूनाथ शुक्ला पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया । और नवलपुर परिसर में कुलसचिव प्रो. आशीष तिवारी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद पाण्डेय, पुण्य स्मरण किया। इस अवसर पर परिसर प्रभारी प्रो गीता सराफ, प्रो चेतना सिंह प्रो नीलिमा खरे, प्रो मनीषा तिवारी डॉ संगीता धुर्वे ,डॉ आदर्श तिवारी, डॉ सिद्धार्थ मिश्रा, डॉ शुभम यादव डॉ जीतेन्द्र सेन, डॉ शुष्मा नेताम, डॉ. मुनीश नेगी, डॉ. सोरभ शिवा, सहित विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों के अधिकारी, कर्मचार्क एवं के.एस बघेल, साधना राममिलन एवम विश्वविद्यालय प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से महान विभूति पंडित शम्भूनाथ शुक्ल के आदर्शों, विचारों एवं समाज के प्रति उनके योगदान को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्राप्त की गई। विश्वविद्यालय परिवार ने उनके प्रति श्रद्धा-सुमन अर्पित कर कुतज्ञता व्यक्त की। पंडित शम्भूनाथ शुक्ल का जीवन एवं उनके आदर्श सदैव समाज और भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे।

बकेली में खेत में धान की फसल देखने गए युवक पर बाघ का हमला, ग्रामीण की सूझबूझ से बची जान



उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले के बकेली निवासी हेताराम बैगा पिता गोजा बैगा, उम्र 35 वर्ष, पर खेत में धान की फसल देखने के दौरान बाघ ने हमला कर दिया। घटना में युवक के दोनों हाथों, कंधे और पीट पर गंभीर चोटें आई हैं। घायल युवक को तत्काल जिला चिकित्सालय उमरिया में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, हेताराम बुधवार 21 अक्टूबर को सुबह करीब 8 बजे अपने साथी के साथ खेत में धान की

फसल देखने गया था। खेत की मेड़ पर चलते समय धान की फसल के बीच घात लगाकर पूंछे बाघ ने पीछे से उस पर हमला कर दिया। बाघ के हमले को देखकर उसका साथी घबराकर भागा और पास के तालाब में कूद गया। वहीं, हेताराम ने जोर-जोर से शोर मचाया, जिससे बाघ उसे छोड़कर भाग गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया। वन्यजीवों के बढ़ते खतरे से चिंतित परिजन ने कहा कि वन्यप्राणियों के कारण वे खेती-किसानी का काम भी ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। परिवार का सवाल है कि यदि खेतों में जाना भी सुरक्षित नहीं है, तो वे अपनी आजीविका कैसे चलाएं। परिजनों ने अपनी पेशानी बताते हुए कहा कि उनकी समस्या सुनने वाला कोई नहीं है।

भंडारे से सद्बुद्धि यज्ञ तक पहुंचा विवाद डिंडौरी में आमने-सामने कांग्रेस-भाजपा

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

विजयादशमी पर्व पर भाजपा कार्यालय के सामने भंडारा आयोजित नहीं होने का मामला अब राजनीतिक विवाद का रूप लेता नजर आ रहा है। इस मामले को लेकर कांग्रेस ने भाजपा जिलाध्यक्ष चमरू सिंह नेताम के खिलाफ विरोध दर्ज कराते हुए नर्मदा तट स्थित शंकर घाट पर सद्बुद्धि यज्ञ किया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि व्यापारियों को भंडारा आयोजित करने की अनुमति नहीं दी गई, जबकि भाजपा जिलाध्यक्ष ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कोई भी व्यापारी उनसे अनुमति मांगने नहीं आया था। दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप के बाद यह मामला डिंडौरी की स्थानीय राजनीति में चर्चा का विषय बन गया है। दरअसल कांग्रेस नेताओं के अनुसार, विजयादशमी पर भाजपा कार्यालय के सामने प्रतिवर्ष भंडारे का आयोजन किया जाता



रहा है। इस वर्ष भी व्यापारियों की ओर से भंडारा आयोजित करने की योजना थी, लेकिन कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा जिलाध्यक्ष और उनके कार्यकर्ताओं ने इसके आयोजन की अनुमति नहीं दी। इसी बात को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई और विरोध स्वरूप नर्मदा तट स्थित शंकर घाट पर सद्बुद्धि यज्ञ आयोजित किया। यज्ञ के माध्यम से संबंधित लोगों को सद्बुद्धि देने के अनुसार, विजयादशमी पर भाजपा कार्यालय के सामने प्रतिवर्ष भंडारे का आयोजन किया जाता

शिवराज ठाकुर ने भाजपा जिलाध्यक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विजयादशमी के अवसर पर हर साल भाजपा कार्यालय के सामने भंडारा आयोजित होता था, लेकिन इस बार व्यापारियों जैसे धार्मिक पर्व पर आयोजित होने वाले भंडारे को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। एक ओर कांग्रेस ने सद्बुद्धि यज्ञ के माध्यम से अपना विरोध दर्ज कराया, वहीं दूसरी ओर भाजपा जिलाध्यक्ष ने पूरे मामले में अपनी भूमिका से इनकार किया है। शंकर घाट पर आयोजित सद्बुद्धि यज्ञ में संतोषी साहू, रामजी साहू, राधेलाल नागवंशी सहित कांग्रेस के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। फिलहाल, भंडारे को लेकर दोनों पक्षों के अलग-अलग दावे सामने आए हैं। मामले में व्यापारियों का पक्ष और अनुमति को लेकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम को तस्वीर साफ हो सकेगी।

उमरिया में तीन स्थानों पर धूमधाम से मनाया गया दशहरा पर्व

उमरिया (स्वतंत्रमत)। बुधवार 21 अक्टूबर को जिला मुख्यालय उमरिया में दशहरा पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर के तीन प्रमुख स्थानों मंगल भवन, बस स्टैंड एवं बहरा धाम में रावण दहन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। भाजपा ने मंगल भवन में वही कांग्रेस ने नये बस स्टैंड में दशहरे का कार्यक्रम आयोजित किया। राम रावण संवाद के बाद रावण के पुतले को जलाया गया और उसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जो देर रात तक जारी रहा। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की और बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक विजयादशमी पर्व को उत्साह के साथ मनाया। दशहरा पर्व के अवसर पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन भी श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। देवी

श्रद्धालु धूमधाम के साथ माता रानी को विदाई देने पहुंचे। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बना रहा। मां के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने नम आंखों से जगत जननी मां दुर्गा को विदाई दी और अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना की। विसर्जन कार्यक्रम को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा निर्धारित व्यवस्था की गई थी। चल समारोह के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात रहा, जिससे विसर्जन कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, युवा और बच्चे उपस्थित रहे। सभी ने उत्साह और श्रद्धा के साथ दशहरा पर्व मनाया। रावण दहन के साथ बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया, वहीं मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ शारदीय नवरात्र का समापन हुआ।

भू अधिकार पत्र वितरण कार्यक्रम संपन्न

गरीबों और भूमिहीनों को मालिकाना हक दिलाना सरकार की प्राथमिकता....विधायक बांधवगढ़

उमरिया (स्वतंत्रमत)। नगर पालिका परिषद उमरिया द्वारा वार्ड क्रमांक 21 धावड़ा कॉलोनी में मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व भू-अधिकार योजना 2026 के अंतर्गत भू-अधिकार पत्र (पट्टा) वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बांधवगढ़ विधायक शिवनारायण सिंह एवं भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिति रही। इस दौरान पात्र हितग्राहियों को भू-अधिकार पत्र वितरित किए गए। पट्टा मिलने से हितग्राहियों को भूमि पर स्वामित्व का अधिकार प्राप्त हुआ, जिससे उनके सुरक्षित एवं सम्मानजनक भविष्य की राह मजबूत हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शिवनारायण सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार उमरिया जिले सहित पूरे मध्यप्रदेश में विकास कार्यों को लगातार गति दे रही है।



उनका प्रयास है कि उमरिया को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाकर एक बड़ी और विकसित उमरिया के रूप में पहचान दिलाई जाए। इसके लिए समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार

गरीबों और आदिवासी परिवारों के हितों के लिए लगातार काम कर रही है। पात्र परिवारों को भूमि का मालिकाना हक देने के साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। सरकार की पेशा है कि गरीब परिवारों के पास अपनी जमीन और पक्का मकान हो, ताकि वे सम्मान और सुरक्षा के साथ जीवन जी सकें। विधायक ने भू-अधिकार पत्र प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को बधाई देते हुए नवरात्रि एवं विजयादशमी की शुभकामनाएं भी दीं। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 1998 में उमरिया जिला बनने के बाद दूर-दराज के गांवों से अनेक लोग व्यापार और रोजगार के सिलसिले में जिला मुख्यालय पहुंचे और नगर पालिका क्षेत्र में झोपड़ियां बनाकर रहने लगे।

ऑटो चालक की सन्दिग्ध मौत, परिजनों ने जताया हत्या का अंदेशा

उमरिया। कैम्प निवासी शनि गोस्वामी की सन्दिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है,परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। युवक ऑटो चालक था जो मंगलवार की शाम खितौली स्थित अपनी मौसी को लेकर ननिहाल

गया था, परिजनों को जानकारी मिली कि शनि के साथ कुछ लोग मारपीट कर रहे हैं। जिससे उसकी हालत अस्थिर है, देर रात परिजन बरई महवावा घटना स्थल पहुंचे, जहाँ गांधी स्मारक के पास युवक अचेत मिला।

कार्यालय नगर पालिका परिषद उमरिया जिला-उमरिया (म.प्र.)

E-mail-cmoumaria@mpurban. gov.in फोन नं.- 07653-222220

पत्र क्रमांक/ न.पा./ स्टोर शाखा/2026/3426

निविदा आमंत्रण सूचना

दिनांक 21/10 /2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।
https:// mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_544128_1 19/10/2026	Regarding purchase/installation of laptop, printer and hot and cold AC, Office of Nagar Palika Parishad Umaria, District Umaria, Madhya Pradesh	1. 30 दिवस 2. लागत 1.89 लाख	1-2000.00 1-1890.00	05/11/2026

मोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन <https://mptenders.gov.in> की वेबसाईट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद उमरिया जिला उमरिया (म.प्र.)

विज्ञान: तर्क, प्रयोग और विकास का आधार



विज्ञान ने मानव जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। आज हम अपने दैनिक जीवन में जिन वस्तुओं का उपयोग करते हैं, मोबाइल, कंप्यूटर, वाहन, दवाइयाँ और बिजली, ये सभी विज्ञान की देन हैं। विज्ञान ने न केवल जीवन को आसान बनाया है, बल्कि सोचने और समझने का एक नया दृष्टिकोण भी दिया है।

विज्ञान क्या है?

विज्ञान शब्द संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना है वि अर्थात विशेष और ज्ञान या जानकारी

अर्थात विशेष ज्ञान। इस प्रकार विज्ञान वह व्यवस्थित अध्ययन है जिसमें किसी वस्तु या घटना को अवलोकन, प्रयोग और तर्क के माध्यम से समझा जाता है।

विज्ञान के मुख्य उद्देश्य

विज्ञान का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक घटनाओं को समझना और उनके नियमों की खोज करना है। इसके प्रमुख उद्देश्य हैं जैसे प्राकृतिक घटनाओं की व्याख्या करना, वैज्ञानिक नियमों और सिद्धांतों का निर्माण करना, मानव ज्ञान का विस्तार करना, वैज्ञानिक

विधि आदि।

विज्ञान एक निश्चित प्रक्रिया

विज्ञान एक निश्चित प्रक्रिया के अनुसार कार्य करता है, जिसे वैज्ञानिक विधि कहते हैं जैसे निरीक्षण, किसी घटना को ध्यान से देखना। समस्या पहचान, प्रश्न या समस्या तय करना। परिकल्पना, संभावित उत्तर का अनुमान लगाना प्रयोग, परिकल्पना की जाँच करना। आँकड़ा संग्रह, परिणाम एकत्र करना। विश्लेषण, डेटा का अध्ययन करना। निष्कर्ष यानि अंतिम परिणाम निकालना और सत्यापन

अर्थात निष्कर्ष की पुष्टि करना।

विज्ञान की प्रमुख विशेषताएँ

विज्ञान मानव जीवन को सरल, सुरक्षित और उन्नत बनाने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। यह हमें सोचने, समझने और तर्क के आधार पर निर्णय लेने की शक्ति देता है। इसलिए विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। विज्ञान तथ्य और प्रमाण पर आधारित होता है। यह व्यवस्थित, तर्कसंगत और प्रयोगशील ज्ञान है। इसके सिद्धांत सार्वभौमिक होते हैं



सुप्रिया गुप्ता

शिक्षक, हितकारिणी उमा शाला, गोविंदगंज दमोहनाका, जबलपुर

इम्यून सिस्टम : हमारा सबसे भरोसेमंद अदृश्य बॉडीगार्ड

क्या आपने कभी सोचा है कि हम रोज़ाना हजारों बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीवों के संपर्क में आने के बावजूद हर दिन बीमार क्यों नहीं पड़ते? इसका जवाब छिपा है हमारे शरीर की उस अद्भुत सुरक्षा प्रणाली में, जिसे प्रतिरक्षा तंत्र या इम्यून सिस्टम कहा जाता है। यह ऐसा अदृश्य प्रहरी है, जो चौबीसों घंटे बिना रुके हमारे शरीर की निगरानी करता है और जैसे ही कोई हानिकारक रोगाणु हमला करता है, तुरंत उसे पहचानकर उसके खिलाफ लड़ाई शुरू कर देता है। कोविड-19 महामारी के बाद दुनिया भर में लोगों ने प्रतिरक्षा तंत्र के महत्व को और बेहतर ढंग से समझा। मजबूत प्रतिरक्षा केवल बीमारी से बचाव ही नहीं करती, बल्कि संक्रमण होने पर शरीर को जल्दी स्वस्थ होने में भी मदद करती है।

क्या है इम्यून सिस्टम ?

इम्यून सिस्टम शरीर की प्राकृतिक रक्षा व्यवस्था है। यह श्वेत रक्त कोशिकाओं, लसीका तंत्र, अस्थि मज्जा, प्लीहा, थाइमस

ग्रंथि और विशेष प्रकार के प्रोटीन का एक जटिल नेटवर्क है। इन सभी का एक ही उद्देश्य होता है शरीर को रोगों से सुरक्षित रखना।

कैसे लड़ता है यह अदृश्य योद्धा ?

जब कोई वायरस, बैक्टीरिया या अन्य हानिकारक सूक्ष्मजीव शरीर में प्रवेश करता है, तो प्रतिरक्षा तंत्र सबसे पहले उसे बाहरी आक्रमणकारी के रूप में पहचानता है। इसके बाद श्वेत रक्त कोशिकाएं सक्रिय होकर रोगाणुओं पर हमला करती हैं। शरीर विशेष प्रकार की एंटीबॉडी बनाता है, जो उन रोगाणुओं को निष्क्रिय कर देती हैं। यदि वही रोगाणु दोबारा हमला करें, तो प्रतिरक्षा तंत्र उन्हें पहले से पहचानकर कहीं अधिक तेज़ी से प्रतिक्रिया देता है। यही कारण है कि कई टीके लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान करते हैं।

प्रतिरक्षा तंत्र के प्रमुख प्रहरी

- श्वेत रक्त कोशिकाएं – संक्रमण से लड़ने वाली मुख्य सैनिक।
- एंटीबॉडी – रोगाणुओं को

पहचानकर निष्क्रिय करने वाले विशेष प्रोटीन।

- लसीका ग्रंथियाँ या लिम्फनोड – संक्रमण की पहचान कर प्रतिरक्षा कोशिकाओं को सक्रिय करती हैं।
- अस्थि मज्जा या बोनमरे – नई रक्त और प्रतिरक्षा कोशिकाओं का निर्माण करती है।
- प्लीहा – रक्त को साफ करने और रोगाणुओं को नष्ट करने में सहायता करती है।

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम कमजोर हो रहा है ?

- बार-बार सर्दी-जुकाम या संक्रमण होना।
- मामूली घावों का देर से भरना।
- हर समय थकान महसूस होना।
- बार-बार बुखार आना।
- संक्रमण से उबरने में अधिक समय लगना।

विज्ञान के रोचक तथ्य

- मनुष्य के शरीर में लगभग 37 ट्रिलियन कोशिकाएँ होती हैं।
- हमारा मस्तिष्क शरीर की कुल ऊर्जा का लगभग 20 प्रतिशत उपयोग करता है।
- छींक की गति 160 किमी/घंटा या उससे अधिक तक हो सकती है।
- प्रकाश की सूर्य से पृथ्वी तक पहुँचने में लगभग 8 मिनट 20 सेकंड लगते हैं।
- ध्वनि अंतरिक्ष में यात्रा नहीं कर सकती, क्योंकि वहाँ हवा नहीं होती।
- शहद वर्षों तक खराब नहीं होता, यदि उसे सही तरीके से संग्रहित किया जाए।
- केले प्राकृतिक रूप से हल्की मात्रा में रेडियोधर्मी पोटेशियम-40 रखते हैं।
- मानव हड्डियाँ वजन के अनुपात में कंक्रीट से भी अधिक मजबूत हो सकती हैं।
- पृथ्वी भूमध्य रेखा पर अपनी धुरी पर लगभग 1,670 किमी/घंटा की गति से घूमती है।
- पृथ्वी हर सेकंड लगभग 30 किलोमीटर की गति से सूर्य की परिक्रमा करती है।
- चमगादड़ ही ऐसे स्तनधारी हैं जो वास्तव में उड़ सकते हैं।
- डॉल्फिन एक आँख खुली रखकर भी सो सकती हैं।
- अंतरिक्ष में जाने पर इंसान की लंबाई अस्थायी रूप से थोड़ी बढ़ सकती है।
- मकड़ी का जाला समान मोटाई के स्टील से भी अधिक मजबूत हो सकता है।
- पेड़ भी रासायनिक संकेतों के माध्यम से एक-दूसरे से संचार कर सकते हैं।
- कुछ बाँस की प्रजातियाँ एक दिन में लगभग 90 सेंटीमीटर तक बढ़ सकती हैं।
- गिरगिट केवल रंग बदलने के लिए नहीं, बल्कि तापमान और संचार के लिए भी रंग बदलते हैं।
- चींटियाँ अपने वजन से कई गुना अधिक भार उठा सकती हैं।
- पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र हमें सूर्य से आने वाले हानिकारक आवेशित कणों से बचाने में मदद करता है।
- इंद्रधनुष वास्तव में एक पूरा वृत्त होता है, लेकिन जमीन से हमें उसका केवल एक हिस्सा दिखाई देता है।
- कुछ जीव, जैसे टार्डिग्रेड, अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रह सकते हैं।
- मनुष्य हर दिन लगभग 20,000 बार साँस लेता है।
- हँसने से कई मांसपेशियाँ सक्रिय होती हैं और तनाव कम महसूस हो सकता है।

विज्ञान प्रयोग

साबुन डालते ही काली मिर्च क्यों भाग जाती है?

क्या आपने कभी देखा है कि पानी से भरी प्लेट में तैर रही काली मिर्च पर जैसे ही साबुन लगी उंगली रखते हैं, काली मिर्च अचानक किनारों की ओर भाग जाती है? यह किसी जादू जैसा लगता है, लेकिन वास्तव में इसके पीछे एक रोचक वैज्ञानिक सिद्धांत काम करता है। इस सरल प्रयोग से हम सतही तनाव या सरफेस टेंशन और साबुन की क्रिया को आसानी से समझ सकते हैं।

उद्देश्य

इस प्रयोग का उद्देश्य सतही तनाव को आसानी से समझना है। साथ ही यह भी जानना है कि साबुन पानी के गुणों को कैसे बदल देता है।

आवश्यक सामग्री

एक साफ प्लेट या कटोरी, साफ पानी, पिप्सी हुई काली मिर्च, थोड़ा-सा तरल साबुन या डिशवॉश लिक्विड, एक उंगली या कॉन्टन बड।

प्रयोग की विधि

सबसे पहले एक प्लेट में पानी भरें। अब पानी की सतह पर हल्की मात्रा में काली मिर्च छिड़क दें। अपनी उंगली के सिरे पर थोड़ा-सा साबुन लगाएं। साबुन लगी उंगली को धीरे से पानी के बीच में स्पर्श कराएँ। क्या होगा? जैसे ही साबुन पानी को छुएगा, पानी की सतह पर तैर रही काली मिर्च तेजी से चारों ओर फैलकर किनारों की ओर चली जाएगी। ऐसा लगेगा मानो काली मिर्च साबुन से डरकर भाग गई हो।

कल्पना कीजिए, यदि मनुष्यों को अपना भोजन खुद बनाने की शक्ति मिल जाए, तो न खेती की जरूरत होगी और न ही रसोई की। प्रकृति ने यह अनोखी क्षमता केवल पौधों को दी है। वे बिना किसी रसोइए, गैस या मशीन के अपना भोजन स्वयं तैयार करते हैं। यही कारण है कि पौधों को पृथ्वी का प्राकृतिक भोजन निर्माता कहा जाता है। पौधों द्वारा भोजन बनाने की इस अद्भुत प्रक्रिया को प्रकाश संश्लेषण कहते हैं। यही प्रक्रिया पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अधिक से अधिक पेड़ लगाए, उनकी रक्षा करे और प्रकृति के इस अनमोल उपहार को सुरक्षित रखे। याद रखें, हर हरा पौधा पृथ्वी के भविष्य की सांस है।

क्या है प्रकाश संश्लेषण ? प्रकाश संश्लेषण वह जैविक प्रक्रिया है, जिसमें पौधे सूर्य के प्रकाश, पानी और वायुमंडल में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड की सहायता से अपना भोजन (ग्लूकोज) बनाते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान पौधे वातावरण में ऑक्सीजन छोड़ते हैं, जो मनुष्य और अन्य जीवों के जीवन के लिए अनिवार्य है।

पौधों को भोजन बनाने क्या चाहिए?– सबसे पहले पौधों को सूर्य का प्रकाश चाहिए, जो उन्हें ऊर्जा प्रदान करता है। इसके बाद जड़ें मिट्टी से पानी और आवश्यक पोषण और शरीर की ऊर्जा

समय पर भोजन करना शरीर के मेटाबॉलिज्म को संतुलित रखता है। सुबह का नाश्ता न करने से ग्लूकोज स्तर गिरता है, जिससे थकान और ध्यान की कमी होती है। वैज्ञानिक दृष्टि से संतुलित आहार मोटापा, डायबिटीज और पाचन संबंधी रोगों से बचाव करता है।

शारीरिक गतिविधि और मस्तिष्क स्वास्थ्य

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार बच्चों को प्रतिदिन कम से कम 60 मिनट शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए। खेलकूद से शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन बढ़ता है, जो तनाव कम करता है और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। इससे आँखों की रोशनी और हड्डियों की मजबूती भी बढ़ती है।

सीखने की क्षमता और स्मृति

वैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि सुबह के समय मस्तिष्क सबसे अधिक सक्रिय होता है।

से चारों ओर फैलकर किनारों की ओर चली जाएगी। ऐसा लगेगा मानो काली मिर्च साबुन से डरकर भाग गई हो।

ऐसा क्यों होता है? (वैज्ञानिक कारण)

पानी के अणु आपस में मजबूती से जुड़े रहते हैं। इस कारण पानी की सतह पर एक पतली, खिंची हुई परत जैसी बन जाती है, जिसे सतही तनाव कहते हैं। जब साबुन पानी में मिलता है, तो वह पानी के अणुओं के बीच आकर्षण को कम कर देता है। जहाँ साबुन गिरता है, वहाँ

खनिजों को अवशोषित करती हैं। पत्तियों पर मौजूद सूक्ष्म छिद्र, जिन्हें रंध्र कहा जाता है, उनके माध्यम से पौधे कार्बन डाइऑक्साइड ग्रहण करते हैं। पत्तियों में पाया जाने वाला हरा वर्णक क्लोरोफिल सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करके भोजन बनाने की

प्रक्रिया को संभव बनाता है।

भोजन बनने की पूरी प्रक्रिया– जब सूर्य की किरणें पत्तियों पर पड़ती हैं, तो क्लोरोफिल प्रकाश ऊर्जा को ग्रहण करता है। यह ऊर्जा पानी और कार्बन डाइऑक्साइड को मिलाकर ग्लूकोज यानी शर्करा बनाती है। यही ग्लूकोज पौधों के विकास, फूल, फल और बीज बनने में काम आता है। यदि भोजन अधिक बन जाए, तो पौधे उसे स्टार्च के रूप में जड़ों, तनों और फलों में संग्रहित कर लेते हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उसका उपयोग किया जा सके।

प्रकाश संश्लेषण क्यों है इतना महत्वपूर्ण ? यदि यह प्रक्रिया न होती, तो पृथ्वी पर जीवन की कल्पना करना भी कठिन होता। पौधे भोजन श्रृंखला की पहली कड़ी हैं, इसलिए सभी जीव प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उन्हीं पर निर्भर हैं। यही प्रक्रिया वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को नियंत्रित करती है और जीवनदायिनी ऑक्सीजन उपलब्ध कराती है। जलवायु संतुलन बनाए रखने में भी पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

सतही तनाव अचानक घट जाता है, जबकि आसपास के पानी में सतही तनाव पहले जैसा बना रहता है। यह अंतर पानी की अधिक सतही तनाव वाले हिस्से से कम सतही तनाव वाले हिस्से की ओर बहने पर मजबूर करता है। इस तेज़ गति से बहते पानी के साथ काली मिर्च भी किनारों की ओर खिसक जाती है। ध्यान रहे कि काली मिर्च स्वयं नहीं भागती, बल्कि पानी की सतह पर होने वाली गति उसे अपने साथ ले जाती है।

सतही तनाव क्या है?

सतही तनाव पानी का वह गुण है जिसके कारण उसकी सतह एक खिंची हुई पतली झिल्ली जैसी व्यवहार करती है। इसी गुण के कारण कुछ छोटे कीट पानी की सतह पर चल पाते हैं। पानी की बूंदें गोल आकार लेती हैं और सुई या रेजुर ब्लेड को सावधानी से रखने पर वे कुछ समय के लिए पानी पर तैर सकते हैं।

सावधानियाँ

- प्रयोग के लिए साफपानी का उपयोग करें।
- काली मिर्च कम मात्रा में छिड़कें।
- बहुत अधिक साबुन न डालें, एनी क्वै बूंद या उंगली पर लगा थोड़ा-सा साबुन पर्याप्त है।
- प्रयोग के बाद प्लेट को अच्छी तरह धो लें।

कोडिंग वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से हम कंप्यूटर को किसी कार्य को करने के लिए निर्देश देते हैं। कंप्यूटर हमारी सामान्य भाषा नहीं समझता, बल्कि विशेष प्रोग्रामिंग भाषाओं के माध्यम से दिए गए निर्देशों को समझता है। कोडिंग की मदद से वेबसाइट, मोबाइल ऐप, गेम और विभिन्न सॉफ्टवेयर बनाए जाते हैं। यह बच्चों में तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ तार्किक सोच और रचनात्मक क्षमता का विकास करती है।

कोडिंग सीखने के प्रमुख लाभ

- समस्या-समाधान और तार्किक क्षमता का विकास– कोडिंग बच्चों को किसी भी बड़ी समस्या को छोटे-छोटे भागों में बाँटकर समाधान ढूँढना सिखाती है। कोड में आने वाली गलतियों को सुधारने से धैर्य, विश्लेषण और सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।
- रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा– कोडिंग बच्चों को अपने विचारों को वास्तविक रूप देने का अवसर देती है। वे गेम, ऐप, वेबसाइट और डिजिटल प्रोजेक्ट बनाकर अपनी कल्पनाओं को साकार कर सकते हैं। इससे उनमें केवल सीखने की नहीं, बल्कि कुछ नया बनाने की सोच विकसित होती है।
- भविष्य के करियर के लिए तैयारी– आज के डिजिटल युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, रोबोटिक्स और सॉफ्टवेयर विकास जैसे क्षेत्रों में कोडिंग का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। प्रारंभिक स्तर पर कोडिंग सीखने से विद्यार्थियों को भविष्य के रोजगार अवसरों के लिए बेहतर तैयारी मिलती है।
- आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता में वृद्धि– जब बच्चे स्वयं कोई डिजिटल प्रोजेक्ट तैयार करते हैं, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। वे अपनी समस्याओं के समाधान स्वयं खोजने और नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित होते हैं।

स्कूल शिक्षा में कोडिंग का महत्व

कोडिंग को पाठ्यक्रम में शामिल करने से विद्यार्थियों में गणितीय सोच, टीमवर्क और संचार कौशल का विकास होता है। समूह में कोडिंग प्रोजेक्ट करने से सहयोग की भावना बढ़ती है। साथ ही, डिजिटल सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और तकनीक के जिम्मेदार उपयोग की समझ भी विकसित होती है।

कोडिंग केवल कौशल नहीं, एक नई भाषा है

कोडिंग बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने वाली महत्वपूर्ण शिक्षा है। यह केवल कंप्यूटर चलाना नहीं सिखाती, बल्कि सोचने, समझने और नए समाधान बनाने की क्षमता विकसित करती है। इसलिए स्कूलों में कोडिंग को शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

संतुलित दिनचर्या : वैज्ञानिक दृष्टि से स्वस्थ और सफल बचपन की कुंजी

आज के समय में बच्चों का जीवन मोबाइल, टीवी और अनियमित खान-पान से प्रभावित हो रहा है। विज्ञान के अनुसार, बचपन में बनी आदतें मस्तिष्क, शरीर और व्यवहार पर गहरा प्रभाव डालती हैं। इसलिए संतुलित दिनचर्या केवल अनुशासन नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक आवश्यकता है, जो बच्चे के संपूर्ण विकास को सुनिश्चित करती है।

नींद और मस्तिष्क का विकास

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि 6 से 14 वर्ष के बच्चों को प्रतिदिन 9 से 11 घंटे की नींद आवश्यक होती है। नींद के दौरान मस्तिष्क में न्यूरोन कनेक्शन मजबूत होते हैं और ग्रोथ हार्मोन का साव बढ़ता है, जिससे शारीरिक वृद्धि होती है। देर रात तक जागने से एकाग्रता कम होती है और याद रखने की क्षमता प्रभावित होती है।

पोषण और शरीर की ऊर्जा

समय पर भोजन करना शरीर के मेटाबॉलिज्म को संतुलित रखता है। सुबह का नाश्ता न करने से ग्लूकोज स्तर गिरता है, जिससे थकान और ध्यान की कमी होती है। वैज्ञानिक दृष्टि से संतुलित आहार मोटापा, डायबिटीज और पाचन संबंधी रोगों से बचाव करता है।

शारीरिक गतिविधि और मस्तिष्क स्वास्थ्य

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार बच्चों को प्रतिदिन कम से कम 60 मिनट शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए। खेलकूद से शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन बढ़ता है, जो तनाव कम करता है और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। इससे आँखों की रोशनी और हड्डियों की मजबूती भी बढ़ती है।

सीखने की क्षमता और स्मृति

वैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि सुबह के समय मस्तिष्क सबसे अधिक सक्रिय होता है।

इस समय पढ़ाई करने से जानकारी लंबे समय तक याद रहती है। अनियमित दिनचर्या से ब्रेन फॉग और ध्यान की कमी बढ़ती है, जिससे शैक्षणिक प्रदर्शन प्रभावित होता है।

व्यवहार और मानसिक संतुलन

नियमित दिनचर्या बच्चों के डोपामिन सिस्टम को संतुलित रखती है, जिससे वे शांत और अनुशासित रहते हैं। अनियमित जीवन से चिड़चिड़ापन, गुस्सा और मोबाइल की लत बढ़ती है। समय क। सही प्रबंधन आत्मविश्वास और जिम्मेदारी विकसित करता है। वैज्ञानिक दृष्टि से संतुलित दिनचर्या बच्चों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास का आधार है। यह न केवल स्वास्थ्य सुधारती है, बल्कि सीखने की क्षमता और व्यवहार को भी बेहतर बनाती है। इसलिए यदि हम बच्चों का उज्ज्वल भविष्य चाहते हैं, तो हमें आज से ही उनकी दिनचर्या को वैज्ञानिक तरीके से व्यवस्थित करना होगा।

शब्द पहेली - १०११	बाएँ से दायें	ऊपर से नीचे																																																																												
<table><tr><td>1</td><td>2</td><td></td><td>3</td><td>4</td></tr><tr><td>5</td><td></td><td>6</td><td></td><td></td></tr><tr><td>7</td><td></td><td></td><td>8</td><td>9</td></tr><tr><td>12</td><td>13</td><td>14</td><td>15</td><td>16</td></tr><tr><td></td><td></td><td>17</td><td>18</td><td></td></tr><tr><td>19</td><td>20</td><td>21</td><td></td><td>22</td></tr><tr><td></td><td>23</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td></td><td></td><td>24</td><td></td><td></td></tr></table>	1	2		3	4	5		6			7			8	9	12	13	14	15	16			17	18		19	20	21		22		23						24			<table><tr><td>1. सिंह, शेर-3</td></tr><tr><td>6. ज़ाहि पैदावार-3</td></tr><tr><td>7. कमल खरोखर-5</td></tr><tr><td>8. बारीक-3</td></tr><tr><td>10. जरा, थोड़ा-2</td></tr><tr><td>12. चराचर-4</td></tr><tr><td>15. रूढ़ि, तड़कता-4</td></tr><tr><td>17. शराब, मदिरा-2</td></tr><tr><td>19. बुद्धि, मति-3</td></tr><tr><td>21. सेवा,, बाकरी, देखभाल-5</td></tr><tr><td>23. काँ, गाय-3</td></tr><tr><td>24. यश, होम-3</td></tr></table>	1. सिंह, शेर-3	6. ज़ाहि पैदावार-3	7. कमल खरोखर-5	8. बारीक-3	10. जरा, थोड़ा-2	12. चराचर-4	15. रूढ़ि, तड़कता-4	17. शराब, मदिरा-2	19. बुद्धि, मति-3	21. सेवा,, बाकरी, देखभाल-5	23. काँ, गाय-3	24. यश, होम-3	<table><tr><td>2. आक्रमणकारी-5</td></tr><tr><td>3. समा, माहौल-3</td></tr><tr><td>4. आर्द्रता, नमी-3</td></tr><tr><td>5. चूड़ान (अंग्रेजी 2)</td></tr><tr><td>6. अंतर, फर्क-3</td></tr><tr><td>9. पक्षीपति, 60 वर्ष पूरे होना-3</td></tr><tr><td>11. नशा, सुमार-2</td></tr><tr><td>13. नरम, मुलायम-3</td></tr><tr><td>14. एक बैसा, सपाण-2</td></tr><tr><td>16. सार-संभावना-2,3</td></tr><tr><td>18. अनाथ, बेसहाय-3</td></tr><tr><td>19. खालिस, शुद्ध-3</td></tr><tr><td>20. कालिज, पक्षाघात-3</td></tr><tr><td>22. क्रोध, खीन, गुस्सा-2</td></tr></table> <table><tr><td>शब्द पहेली -१०१० का हल</td></tr><tr><td>ह ज य स ख ग घ ङ न</td></tr><tr><td>क ख ग घ ङ न</td></tr><tr><td>ह ज य स ख ग घ ङ न</td></tr><tr><td>क ख ग घ ङ न</td></tr><tr><td>ह ज य स ख ग घ ङ न</td></tr><tr><td>क ख ग घ ङ न</td></tr><tr><td>ह ज य स ख ग घ ङ न</td></tr><tr><td>क ख ग घ ङ न</td></tr><tr><td>ह ज य स ख ग घ ङ न</td></tr></table>	2. आक्रमणकारी-5	3. समा, माहौल-3	4. आर्द्रता, नमी-3	5. चूड़ान (अंग्रेजी 2)	6. अंतर, फर्क-3	9. पक्षीपति, 60 वर्ष पूरे होना-3	11. नशा, सुमार-2	13. नरम, मुलायम-3	14. एक बैसा, सपाण-2	16. सार-संभावना-2,3	18. अनाथ, बेसहाय-3	19. खालिस, शुद्ध-3	20. कालिज, पक्षाघात-3	22. क्रोध, खीन, गुस्सा-2	शब्द पहेली -१०१० का हल	ह ज य स ख ग घ ङ न	क ख ग घ ङ न	ह ज य स ख ग घ ङ न	क ख ग घ ङ न	ह ज य स ख ग घ ङ न	क ख ग घ ङ न	ह ज य स ख ग घ ङ न	क ख ग घ ङ न	ह ज य स ख ग घ ङ न
1	2		3	4																																																																										
5		6																																																																												
7			8	9																																																																										
12	13	14	15	16																																																																										
		17	18																																																																											
19	20	21		22																																																																										
	23																																																																													
		24																																																																												
1. सिंह, शेर-3																																																																														
6. ज़ाहि पैदावार-3																																																																														
7. कमल खरोखर-5																																																																														
8. बारीक-3																																																																														
10. जरा, थोड़ा-2																																																																														
12. चराचर-4																																																																														
15. रूढ़ि, तड़कता-4																																																																														
17. शराब, मदिरा-2																																																																														
19. बुद्धि, मति-3																																																																														
21. सेवा,, बाकरी, देखभाल-5																																																																														
23. काँ, गाय-3																																																																														
24. यश, होम-3																																																																														
2. आक्रमणकारी-5																																																																														
3. समा, माहौल-3																																																																														
4. आर्द्रता, नमी-3																																																																														
5. चूड़ान (अंग्रेजी 2)																																																																														
6. अंतर, फर्क-3																																																																														
9. पक्षीपति, 60 वर्ष पूरे होना-3																																																																														
11. नशा, सुमार-2																																																																														
13. नरम, मुलायम-3																																																																														
14. एक बैसा, सपाण-2																																																																														
16. सार-संभावना-2,3																																																																														
18. अनाथ, बेसहाय-3																																																																														
19. खालिस, शुद्ध-3																																																																														
20. कालिज, पक्षाघात-3																																																																														
22. क्रोध, खीन, गुस्सा-2																																																																														
शब्द पहेली -१०१० का हल																																																																														
ह ज य स ख ग घ ङ न																																																																														
क ख ग घ ङ न																																																																														
ह ज य स ख ग घ ङ न																																																																														
क ख ग घ ङ न																																																																														
ह ज य स ख ग घ ङ न																																																																														
क ख ग घ ङ न																																																																														
ह ज य स ख ग घ ङ न																																																																														
क ख ग घ ङ न																																																																														
ह ज य स ख ग घ ङ न																																																																														

रावण दहन से पहले युवाओं ने लिया नशा मुक्ति का संकल्प

बहोरीपार कलां और ढाना में माय भारत वालंटियर्स की अनूठी पहल, रावण के पुतले पर 'नशा' लिखकर दिया सामाजिक संदेश

नरसिंहपुर,स्वतंत्रमत।

विजयादशमी के अवसर पर नरसिंहपुर ब्लॉक के ग्राम बहोरीपार कलां और करेली ब्लॉक के ग्राम ढाना में माय भारत के वालंटियर्स ने नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया। स्थानीय उत्सव समितियों के सहयोग से आयोजित कार्यक्रमों में रावण दहन से पहले ग्रामीणों और युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान रावण के पुतले पर 'नशा' लिखकर उसके दहन के माध्यम से समाज को व्यसनमुक्त बनाने का संदेश दिया गया।

बहोरीपार कलां में स्वस्थ समाज का संदेश

नरसिंहपुर ब्लॉक के ग्राम बहोरीपार कलां में महावीर दुर्गा मंडल एवं माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में जागरूकता



कार्यक्रम आयोजित किया गया। माय भारत वालंटियर कालूराम विश्वकर्मा ने कहा कि स्वस्थ और व्यसनमुक्त समाज ही

सशक्त एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र की नींव है। युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, सकारात्मक गतिविधियों और राष्ट्र निर्माण

में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में संजय पटेल, बलराज पटेल, शिवराज ठाकुर, मनोज सेन, सागर ठाकुर, दीपक पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और युवा उपस्थित रहे।

ढाना में नशे को बताया समाज का असली रावण

करेली ब्लॉक के ग्राम ढाना के कुटी मोहल्ला में नवदुर्गा उत्सव समिति एवं माय भारत के सहयोग से नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। माय भारत वालंटियर पंकज कुशवाहा ने कहा कि विजयादशमी बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। वर्तमान समय में नशा समाज को खोखला करने वाली गंभीर बुराई है। युवाओं को अपनी ऊर्जा नशे में बर्बाद करने के बजाय शिक्षा, खेल और रचनात्मक गतिविधियों में लगानी चाहिए। कार्यक्रम में अभिषेक कुशवाहा, भोजराज कुशवाहा, अंकित, जिवेंद्र, अर्जुन, अनिल, कछोरीलाल, गर्जेद्र सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे। दोनों गांवों में आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों और युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ, जागरूक और सशक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनने का संदेश दिया गया।



सांस्कृतिक आयोजन के बाद रुद्र मैदान में 51 फुट ऊंचे रावण का किया गया दहन

राजपूत क्षत्रिय सभा द्वारा किया शस्त्र पूजन एवं दशहरा महोत्सव का आयोजन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी राजपूत क्षत्रिय महासभा राजपूत क्षत्रिय महिला इकाई राजपूत युवा शक्ति संगठन राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना एवं करणी सेना महिला इकाई के तत्वाधान में विजयदशमी के अवसर पर रुद्र मैदान कॉलेज ग्राउंड गाडरवारा में दशहरा समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया शाम 5 बजे रामायण पाठ शस्त्र पूजन सांस्कृतिक कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति के उपरांत 11 बजे 51 फुट के रावण का दहन किया गया विजयादशमी पर्व के शुभ अवसर पर राजपूत समाज के स्नेही बंधुओं सहित



गाडरवारा नगर एवं आसपास ग्रामों से आए विशिष्ट अतिथियों की गरिमायय उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ कार्यक्रम में पधारे परिवहन एवं शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, विजयदशमी दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए बुराई पर अच्छाई की जीत भगवान राम के चरित्र का अनुसरण करने क्षेत्रवासियों के सुख समृद्धि हेतु

मातारानी एवं मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम से प्रार्थना कर विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस मौके पर राजपूत समाज के लिये जमीन उपलब्ध कराकर भवन बनाने के लिये मदद करने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम को राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमति साधना स्थापक एवं नगरपालिका अध्यक्ष पंडित शिवाकांत मिश्रा ने भी संबोधित करते हुये राजपूत क्षत्रिय सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुये विजयादशमी पर्व की शुभकामनायें दी। इस अवसर पर ठाकुर रणजीत सिंह राजपूत ने मंत्री जी को क्षत्रिय महासभा की ओर से भवन हेतु भूमि आवंटन के लिए मांग पत्र दिया । कार्यक्रम में अध्यक्ष अभिषेक बडकुर द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

सतना में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विजयदशमी पर्व



जगह.जगह रावण दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का दिया संदेश

सतना स्वतंत्रमत। सतना जिले भर में विजयदशमी दशहरा का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस पावन पर्व पर जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जगह.जगह भगवान श्रीराम की झांकियां निकाली गईं और रावण मेघनाद कुंभकरण के पुतलों का दहन किया गया। लोगों ने एक दूसरे को विजयदशमी की बधाइयां दीं और गले मिलकर खुशियां साझा कीं। जिला मुख्यालय सतना में दशहरा मैदान में मुख्य आयोजन किया गया जहां हजारों की संख्या में लोग रावण दहन देखने पहुंचे। शाम होते ही आतिशबाजी के साथ 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले को आग के हवाले किया गया। जैसे ही रावण का पुतला धूँधू कर जलने लगा पूरा मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। बच्चों युवाओं और बुजुर्गों में खासा उत्साह देखने को मिला। मेले में तरह.तरह की

दुकानें चाट.पकौड़ी और खिलौनों की दुकानों पर भीड़ लगी रही। वहाँ ग्रामीण अंचलों में भी दशहरा पर्व की धूम रही। रामलीला मंडलियों द्वारा पिछले नौ दिनों से चल रही रामलीला का समापन विजयदशमी पर भगवान राम के रावण वध के मंचन के साथ हुआ। लोगों ने भगवान राम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

थानो परिसर में हुई शस्त्र पूजा-विजयदशमी के पावन अवसर पर जिले के हर थाना परिसर में भी परंपरागत शस्त्र पूजा का आयोजन बड़े ही भक्तिभाव के साथ किया गया। थाना परिसर में स्थापित बजरंगबली हनुमान जी की फोटो के समक्ष सभी शस्त्रों को रखकर विधि.विधान से पूजा की गई। फूल.माला रोली.चंदन अक्षत और मिठाई अर्पित कर हनुमान जी की आरती की गई। थाना प्रभारियों ने सभी जवानों के साथ क्षेत्र में शांति सुरक्षा और अमन.चैन बना रहे इसकी कामना की। इस दौरान थाने में रखी ईसास राइफ्लें एसएलआर और अन्य हथियारों को साफ़सुथरा कर फूल.मालाओं से सजाया गया और रोली.चंदन लगाकर नारियल फेड़कर पूजन किया गया।

टीएल बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश स्वामित्व योजना के कार्यों में तेजी लाएं

पटवारीवार समीक्षा कर प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित करें

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण पर जोर

नर सिंहपुर, स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने स्वामित्व योजना के कार्यों में प्रगति लाने, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गर्जेन्द्र, अपर कलेक्टर श्री अरविंद कुमार सिंह



सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने स्वामित्व योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कार्यों की पटवारीवार समीक्षा की जाए। प्रत्येक दिन का लक्ष्य निर्धारित कर कार्यों की प्रगति की नियमित निगरानी करें, जिससे निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य हासिल किए जा सकें। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सितंबर माह में सीएम हेल्पलाइन की रैंकिंग में जिले के टॉप टेन में स्थान प्राप्त करने पर अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिकता न

हो, बल्कि आवेदक की संतुष्टि को प्राथमिकता देते हुए गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में संबल 2.0 योजना के अंतर्गत अनुभाग स्तर पर लॉन्च प्रकरणों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने अनुग्रह सहायता राशि के प्रकरणों में अनावश्यक विलंब नहीं करने तथा पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्व में आयोजित जनसंवाद शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित

करें कि आवेदनों का निराकरण समय-सीमा में हो। विभागीय अधिकारी नियमित रूप से ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करें और आमजन की समस्याओं को समझकर उनके निराकरण के लिए प्रभावी कार्रवाई करें। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संबंधित विभागों द्वारा की जाने वाली प्रविष्टियों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश विभाग प्रमुखों को दिए। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति, निर्धारित भौतिक लक्ष्यों तथा लक्ष्य के विरुद्ध प्राप्त उपलब्धियों की समीक्षा

की गई। इसमें आचार्य विद्यासागर डेयरी योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना सहित अन्य योजनाएं शामिल रहीं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बैंकों को प्रेषित प्रकरणों में आवश्यक समन्वय कर स्वीकृति की कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके और स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जा सके।

चावरपाठा के हीरापुर में आयोजित होगा अगला जनसंवाद शिविर

कलेक्टर ने बताया कि अगला जनसंवाद शिविर चावरपाठा विकासखंड के ग्राम हीरापुर में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिविर की आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने तथा ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



सितपुरा प्लाई फैक्ट्री उगल रही जहरीला धुआं किसानों की फसल नष्ट, प्रशासन मौन

सतना स्वतंत्र मत। जिले की सितपुरा औद्योगिक क्षेत्र में संचालित प्लाईवुड फैक्ट्री इन दिनों ग्रामीणों और किसानों के लिए आफत बनी हुई है। फैक्ट्री की चिमनियां से दिन.रात निकल रहा काला जहरीला धुआं न केवल पर्यावरण को प्रदूषित कर रहा है। बल्कि आसपास के खेतों में खड़ी फसलों को भी चौपट कर रहा है। आलम यह है कि 2 किलोमीटर के दायरे में गेहूं सरसों और सब्जियों की फसलें पीली पड़कर सूख रही हैं। किसानों का आरोप है कि कई बार जिला प्रशासन ए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और कलेक्टर कार्यालय में शिकायत की गई लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। प्रशासनिक अधिकारियों की चुप्पी से फैक्ट्री संचालक के हाँसले बुलंद हैं।

कैसे उगल रहा है जहर-स्थानीय लोगों के अनुसार सितपुरा स्थित प्लाई फैक्ट्री में लकड़ी को चिपकाने के लिए फॉर्मलडिहाइड और यूरिया जैसे खतरनाक केमिकल का उपयोग किया जाता है। लकड़ी को बाँयलर में जलाने और प्लाई को प्रेस करने के दौरान निकलने वाला धुआं बिना किसी फिल्टर या ट्रीटमेंट के सीधे हवा में छोड़ दिया जाता है। सुबह 4 बजे से रात 11 बजे तक चिमनियां काला धुआं उगलती हैं। इस धुएं में कार्बन मोनोऑक्साइड सल्फर डाइऑक्साइड और महीन लकड़ी के कण होते हैं जो सीधे फेफड़ों में जाते हैं।

किसानों की फसल तबाह -सितपुरा बिरला रोड और बगहा के किसानों ने बताया कि पिछले दो सीजन से फसल का उत्पादन आधा रह गया है। किसान रामसजीवन पटेल ने बताया पहले एक एकड़ में 12 क्विंटल गेहूं निकलता थाए अब 5 क्विंटल भी नहीं निकल रहा। पत्तियों पर काली परत जम जाती है प्रकाश संश्लेषण बंद हो जाता है। दूसरे किसान लक्ष्मण कुशवाहा ने कहा कि उनकी सरसों की फसल पूरी तरह जल गई है। टमाटर बैंगन और मिर्च की खेती करने वाले किसानों की सब्जियां बाजार में बेचने लायक नहीं बचतीं।

बच्चे बुजुर्ग बीमार ग्रामीणों में दहशत -जहरीले धुएं का असर इंसानों पर भी दिखने लगा है। ग्रामीणों में आँखों में जलन खाँसी दमा और त्वचा रोग की शिकायतें बढ़ गई हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सितपुरा के सूत्रों के अनुसार पिछले तीन महीनों में सांस के मरीजों की संख्या में 40: की वृद्धि हुई है। गांव की महिलाएं बताती हैं कि कपड़े बाहर सुखा नहीं जा सकते पूरे दिन राख उड़ती रहती है। बच्चों को स्कूल जाने में भी परेशानी होती है। रात में धुएं के कारण घुटन महसूस होती है।

पुलिस स्मृति दिवस पर मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शहीद पुलिसकर्मियों को अर्पित की श्रद्धांजलि

पुलिस लाइन नरसिंहपुर में आयोजित परेड एवं श्रद्धांजलि समारोह में 154 शहीद पुलिसकर्मियों को किया नमन

शहीदों के परिजनों का किया सम्मान

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बुधवार को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन नरसिंहपुर में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में अर्पित कर देश की सुरक्षा एवं सेवा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर एक सितम्बर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक कर्तव्य निर्वहन के दौरान शहीद हुए 154 पुलिसकर्मियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। समारोह में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मोणा ने भी शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, श्री रामसेनही पाठक, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, श्री सुनील



कोठारी, श्रीमती संध्या कोठारी, श्रीमती निशा सोनी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेन्द्र सिंह नागेश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने भी पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मोणा ने शहीद पुलिसकर्मियों के नामों का वाचन किया गया। पुलिस परेड द्वारा शहीद स्मारक को सलामी दी गई तथा दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।मंत्री श्री पटेल ने इंसपेक्टर श्री आशीष शर्मा, सब इंसपेक्टर श्री अशोक शर्मा, सहायक उप निरीक्षक श्री

मदनलाल निनामा, हेड कांस्टेबल श्री सरजन सिंह भील एवं श्री परिमल सिंह तोमर सहित शहीद पुलिसकर्मियों के बलिदान का स्मरण किया।

शहीदों का बलिदान सदैव राष्ट्र को प्रेरणा देता रहेगा- मंत्री श्री पटेल

मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस उन वीर पुलिसकर्मियों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण को स्मरण करने का अवसर है, जिन्होंने देश की सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव देशवासियों के हृदय में जीवित रहेगा और आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा के लिए

प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में भारतीय सीमा की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के गश्ती दल पर चीनी सैनिकों ने घात लगाकर हमला किया था। इस घटना में अनेक पुलिसकर्मी वीरगति को प्राप्त हुए थे। उन्हीं वीर जवानों के बलिदान की स्मृति में प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है।मंत्री श्री पटेल ने कहा कि देश की रक्षा में पुलिस बल के योगदान और जवानों के बलिदान से नई पीढ़ी को परिचित कराना आवश्यक है। पुलिसकर्मी विषम परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए समाज की सुरक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका त्याग, साहस और समर्पण राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है।

शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों का किया सम्मान

समारोह में मंत्री श्री पटेल ने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर तथा माला पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने शहीद परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए देश की सुरक्षा के लिए उनके परिजनों द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान को नमन किया।



धारकुंडी थाने में विजयदशमी पर हुई शस्त्र पूजा

एसआई विजय सिंह कुशवाह ने किया हनुमान जी का पूजन

सतना स्वतंत्र मत। विजयदशमी के पावन अवसर पर जिले के धारकुंडी थाना परिसर में परंपरागत शस्त्र पूजा का आयोजन किया गया। थाना प्रभारी उप निरीक्षक विजय सिंह कुशवाह ने अधीनस्थ पुलिस कर्मियों के साथ विधि.विधान से शस्त्रों की पूजा की। इस दौरान थाना परिसर में स्थापित बजरंगबली हनुमान जी की फोटो के समक्ष सभी शस्त्रों को रखकर फूल.माला रोली.चंदन से पूजन किया गया। थाना प्रभारी ने सभी जवानों के साथ सुख.समृद्धि और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे इसकी कामना की। पूजा में थाने के सभी स्टाफ , एसएएफके जवान और अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। थाना प्रभारी विजय सिंह कुशवाह ने कहा कि विजयदशमी असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है और पुलिस के लिए शस्त्र पूजा का विशेष महत्व है। शस्त्र ही हमारी सुरक्षा और जनता की सेवा का माध्यम हैं।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2027 के लिए मेहर में 27 अक्टूबर को जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन

सतना। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2027 के अंतर्गत जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 27 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे से शासकीय कन्या उत्कृष्ट विद्यालय मेहर के ऑडिटोरियम हॉल में किया जाएगा। उत्सव में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा प्रतिभागी विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। जिला स्तरीय युवा उत्सव में समूह लोक नृत्य समूह लोकगीत पेंटिंग कविता लेखन एवं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। समूह लोक नृत्य एवं समूह लोकगीत में 7 युवा तथा 3 सहयोगियों की टीम पेंटिंग एवं कविता लेखन में 2.2 प्रतिभागी तथा नुक्कड़ नाटक में 10 युवा भाग ले सकेंगे।

नैनपुर से लापता 23 वर्षीय युवती का शव बैनगंगा नदी में मिला

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम समनापुर से लापता 23 वर्षीय युवती का शव चांगोटोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पादरीगंज के पास बैनगंगा नदी में मिलने की जानकारी सामने आई है। युवती की पहचान सपना ठाकुर, पिता भागचंद ठाकुर, निवासी ग्राम समनापुर, थाना नैनपुर, जिला मंडला के रूप में हुई है। युवती के लापता होने के संबंध में 16 अक्टूबर 2026 को नैनपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी।

गुमशुदगी दर्ज होने के बाद से की जा रही थी तलाश-प्राप्त जानकारी के अनुसार, सपना ठाकुर के लापता होने की शिकायत मिलने पर 16 अक्टूबर को थाना नैनपुर में गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद चांगोटोला थाना क्षेत्र के ग्राम पादरीगंज के पास बाणगंगा नदी में उसका शव मिलने की सूचना मिली। जिसकी जानकारी स्थानीय ग्राम वासियों कर द्वारा पुलिस को दी गई थी। घटना की जानकारी मिलने पर चांगुटोला और नैनपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। लामता में पोस्टमार्टम कार्यवाही उपरान्त शव परिरजनों को सौंप दिया गया। जानकारी अनुसार मौके से पुलिस ने मु्तिका की स्कूटी और एक बैग भी बरामद किया है।मौत के कारणों का खुलासा होना बाकी युवती की मौत किन परिस्थितियों में हुई और वह नदी तक कैसे पहुंची, इन सवालों के जवाब फिलहाल स्पष्ट नहीं हैं। पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा जांच के निष्कर्षों के आधार पर हो सकेगी। फिलहाल पुलिस की जांच जारी है। युवती की गुमशुदगी से लेकर शव मिलने तक की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए घटनाक्रम की पड़ताल पुलिस द्वारा बारीकी से की जा रही है।

युक्ति युक्तकरण पर बैठक आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विधानसभा क्षेत्र 107 मंडला (अजजा) के अंतर्गत 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में 22 अक्टूबर को बैठक आयोजित की जाएगी अनुविभागीय अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रेशन अधिकारी मंडला द्वारा जारी पत्र के अनुसार मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल के निर्देशानुसार मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के संबंध में यह बैठक आयोजित की जा रही है ।

मंत्री ने किया शस्त्र पूजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विजयादशमी के पावन पर्व पर पुलिस लाइन में परम्परानुसार शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की मंत्री श्रीमती सम्पतिया उड्के, मंडला सांसद फगन सिंह कुलस्ते, कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे एवं पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी ने विधि-विधान के साथ शस्त्र पूजन किया।

जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग विनोद रास्ते के मार्गदर्शन में शासकीय एकीकृत हाई स्कूल किन्द्री विकासखंड मण्डला में वन स्टॉप सेंटर द्वारा हब एवं बेटी बचाओ योजना अंतर्गत निर्धारित मासिक थीम के अनुरूप जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अवैध शराब अड्डों पर छापा

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिला आबकारी अधिकारी सतीश कश्यप के मार्गदर्शन में ग्राम खुड्डिया में नर्मदा नदी के किनारे एवं कछार क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण के अड्डों पर दबिश दी गई। कार्यवाही के दौरान करीब 115 डिब्बों में भरा 1150 किलो महुआ लाहन बरामद कर मौके पर नष्ट किया गया। साथ ही 70 लीटर हाथ भट्ठी कच्ची शराब जब्त की गई ।

संस्कारों को मजबूत करने से ही सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाया जा सकता है, विहिप-बजरंग दल ने किया शस्त्र पूजन



मण्डला(स्वतंत्रमत)।

विजयदशमी के पावन पर्व पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में ज्ञानदीप स्कूल परिसर में शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में धर्म प्रसार क्षेत्रीय प्रमुख मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ ललित परिधि उपस्थित रहे। वहीं स्वामी शारदात्मक जी महाराज, सांसद फगन सिंह कुलस्ते, कैबिनेट मंत्री संपतिया उड्के, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, सह समरसता प्रमुख महाकौशल प्रांत श्रीमति वंदना अवस्थी, विभाग संयोजिका

श्रीमति पूनम सोनी, समाजसेवी सूरपंच श्रद्धा उड्के, वरिष्ठ समाजसेवी गणेश जसवानी, हीरानंद चद्रवंशी संघ चालक, विश्व हिन्दू परिषद जिला अध्यक्ष एड. मनोज फागवानी सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं भगवान श्रीराम के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण और पूजन-अर्चन के साथ किया गया यहां पर उपस्थित अतिथियों ने शस्त्र पूजन किया। श्रद्धाभाव के साथ धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए उपस्थित अतिथियों का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। मुख्यवक्ता ललित परिधि ने अपने संबोधन में सनातन धर्म

भारतीय सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक मान्यताओं के संरक्षण पर विचार व्यक्त कि उन्होंने धर्मांतरण और लव जिहाद जैसे मुद्दों को लेकर भी तीखे अंदाज में अपनी बात रखी उन्होंने समाज को इन विषयों के प्रति जागरूक रहने और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने का संदेश दिया उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा केवल पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं है बल्कि यह जीवन जीने की एक व्यापक पद्धति है जिसमें परिवार संस्कार नैतिकता कर्तव्य और सामाजिक समरसता का महत्वपूर्ण स्थान है। वहीं सह समरसता प्रमुख महाकौशल प्रांत श्रीमति वंदना अवस्थी ने कहा कि समाज के बीच जाकर भारतीय संस्कृति

धार्मिक मूल्यों और परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए युवाओं की भूमिका पर भी जोर देते हुए कहा कि नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और इतिहास की जानकारी देना आवश्यक है परिवार और समाज के स्तर पर संस्कारों को मजबूत करने से ही सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाया जा सकता है भारतीय परंपराओं में शस्त्रों का पूजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक भी है। कार्यक्रम के दौरान विभाग संयोजिका श्रीमति पूनम सोनी ने आदिशक्ति, नारी शक्ति और महिलाओं की एकजुटता के महत्व पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा

कि भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, साहस और सृजन का प्रतीक माना गया है। समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और उन्हें आत्मविश्वास के साथ प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए। समाजसेवी सरपंच श्रद्धा उड्के ने महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अत्याचारों और अन्याय से बचाव के संदर्भ में आत्मरक्षा के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने महिलाओं को अपनी सुरक्षा के लिए सक्षम बनने तथा आवश्यकता पड़ने पर आत्मरक्षा के लिए शस्त्र चलाने का प्रशिक्षण लेने की सलाह दी। उनके संदेश का प्रमुख उद्देश्य महिलाओं में साहस आत्मविश्वास और सुरक्षा के

प्रति सजगता बढ़ाना रहा उन्होंने आदिशक्ति की आराधना और शस्त्र पूजन की परंपरा का उल्लेख करते हुए नारी शक्ति की एकता को समाज की मजबूती का आधार बताया कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने भी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष मनोज फागवानी ने अपने संबोधन में शस्त्र पूजन के सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को रेखांकित किया उन्होंने कहा कि शस्त्र हमारी आस्था और संस्कृति का आधार हैं।

भारतीय परंपरा में शक्ति की आराधना के साथ धर्म, न्याय और कर्तव्य के पालन का संदेश निहित है उन्होंने कहा कि बच्चों को

सनातन संस्कृति भारतीय सभ्यता और पारंपरिक मूल्यों की शिक्षा देना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के समापन पर उन्होंने सभी उपस्थित अतिथि एवं कार्यक्रमकर्ताओ का आभार व्यक्त किया।

इस दौरान पूर्व विश्व हिन्दू परिषद अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता अलोक खरया, नगर अध्यक्ष शंशाक चौरसिया, जिला मंत्री ललित हिडाक, जिला मंत्री अमित बैरागी सहित खंड प्रमुख मुख्य रूप से उपस्थित रहे। संगठन के अनेक कार्यकर्ता दूर दराज से शस्त्र लेकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे जहां पर भव्य शस्त्र पूजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मंच का संचालन अमित बैरागी द्वारा किया गया।

पर्यटन की दृष्टि से मंडला की विशिष्ट पहचान

मण्डला(स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा जिले में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार एवं दर्शनीय स्थलों के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की मंत्री श्रीमती सम्पतिया उड्के के मुख्य आतिथ्य एवं मंडला सांसद फगन सिंह कुलस्ते की अध्यक्षता में नेहरू उद्यान में बोट क्लब एवं कैफेटेरिया निर्माण कार्य का भूमि पूजन तथा सहस्त्रधारा में सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया नेहरू उद्यान में 190.35 लाख रुपये की स्वीकृत राशि से बोट क्लब एवं कैफेटेरिया का निर्माण किया जाएगा।

वहीं सहस्त्रधारा में 228.20 लाख रुपये की लागत से पर्यटन अधीसंरचना के विकास सौंदर्यीकरण एवं अन्य आवश्यक



कार्य कराए गए हैं मंत्री श्रीमती सम्पतिया उड्के ने अपने उद्घोषन में कहा कि मंडला प्राकृतिक सौंदर्य, नर्मदा नदी और समृद्ध सांस्कृतिक एवं जनजातीय परंपराओं के लिए विशेष पहचान रखता है। सांसद फगन सिंह कुलस्ते ने अपने उद्घोषन में कहा कि मंडला जिला प्राकृतिक संपदा एवं पर्यटन की अपार संभावनाओं से समृद्ध है।

भीषण हादसे में महिला की मौत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मंडला-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर फूलसागर के पास बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। पुल पर कार और पिकअप वाहन के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि 13 लोग घायल हो गए



घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई प्राप्त जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन में सवार लोग टिकरिया थाना क्षेत्र से सब्जी खरीदने के लिए मंडला आ रहे थे। वहीं कार मंडला से जबलपुर की ओर जा रही थी इसी दौरान फूलसागर के पास पुल पर दोनों वाहनों की आमने-सामने

जोरदार भिड़ंत हो गई टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप में सवार लोग घायल हो गए हादसे की सूचना के बाद घायलों को जिला अस्पताल मंडला पहुंचाया गया।

चैतन्य देवियों की लगाई झांकियां



मण्डला(स्वतंत्रमत)।

पांच दिवसीय चैतन्य देवियों की झांकियों का ब्रह्माकुमारी गीता पाठशाला दादी की बगिया के पास दिव्य दरबार सजाया गया जिसमें

जागरण कर सकते हैं और अपनी कमी कमजोरी पर विजय पाकर देवतुल्य जीवन बनाकर उदाहरण मूर्ति बन सकते हैं नर से नारायण बन सकते हैं पंचमी से नवमी तक लगाई गई इस झांकी में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं ने मां के विभिन्न स्वरूपों का एक ही स्थान पर दर्शन किया।

कार्यक्रम का सफल मार्गदर्शन मीणा बहन एवं कृष्णा भाई ने किया कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ओमप्रकाश,अनूप, मनीष, कैलाश, संजीव, शंभू, संजय, ममता,सरिता,पप्पू, कीर्ति एवं गीता पाठशाला के सभी भाई बहनों का विशेष सहयोग रहा।

जागरण कर सकते हैं और अपनी कमी कमजोरी पर विजय पाकर देवतुल्य जीवन बनाकर उदाहरण मूर्ति बन सकते हैं नर से नारायण बन सकते हैं पंचमी से नवमी तक लगाई गई इस झांकी में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं ने मां के विभिन्न स्वरूपों का एक ही स्थान पर दर्शन किया।

कार्यक्रम का सफल मार्गदर्शन मीणा बहन एवं कृष्णा भाई ने किया कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ओमप्रकाश,अनूप, मनीष, कैलाश, संजीव, शंभू, संजय, ममता,सरिता,पप्पू, कीर्ति एवं गीता पाठशाला के सभी भाई बहनों का विशेष सहयोग रहा।

दादा-पोती की डूबने से मौत

मण्डला(स्वतंत्र मत)। महाराजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सुरंगदेवरी में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। नदी में नहाने गए दादा-पोती को पानी में डूबने से मौत हो गई। हादसे में 55 वर्षीय पिछू लाल उड्के और उनकी 5 वर्षीय मासूम पोती मानशी को जान चली गई। जानकारी के अनुसार सुरंगदेवरी निवासी पिछू लाल उड्के अपनी 5 वर्षीय नातिन मानशी के साथ घर से करीब 200 मीटर दूर स्थित नदी में नहाने के लिए गए थे। इसी दौरान दोनों नदी के गहरे पानी में चले गए और देखते ही देखते डूब गए। काफी देर तक दोनों के वापस नहीं लौटने पर परिवार के लोगों को चिंता हुई। जब दादा-पोती नदी से बाहर नहीं आए तो उनके भतीजे ने परिजनों को इसकी सूचना दी। इसके बाद परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और नदी में दोनों की तलाश शुरू की गई। ग्रामीणों की मदद से काफी मशक़त के बाद दादा-पोती को पानी से बाहर निकाला गया। दोनों को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

राजस्व की समीक्षा

मण्डला(स्वतंत्र मत)। कलेक्टर की अध्यक्षता में जिले के राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गरम पानी कुण्ड बबैहा में आयोजित की गई। शासकीय कार्य के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बैठक का आयोजन पर्यटन स्थल पर किया गया।

नैनपुर में धूमधाम से मनाया गया विजयादशमी पर्व

आदमकद रावण का दहन होते ही गुंजे जय श्रीराम के जयघोष

सतरंगी आतिशबाजी और सजीव रामलीला के मंचन ने बांधा समां

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक पर्व विजयादशमी का उत्सव नगर में हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जेआरसी मैदान में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। जैसे ही भगवान श्रीराम के बाण से आदमकद रावण का पुतला धू-धू कर जला, पूरा मैदान जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष से गुंज उठा। इस दौरान हुई सतरंगी आतिशबाजी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही।



रामलीला के सजीव मंचन ने किया भावविभोर-रावण दहन से पूर्व प्राप्त पदारीगंज की रामलीला के कलाकारों ने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की आकर्षक झांकी प्रस्तुत की। इसके साथ ही रामायण के प्रसंगों पर आधारित रावण वध का अद्भुत मंचन किया गया। कलाकारों की प्रभावशाली प्रस्तुति ने उपस्थित

श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। वहीं, भजन मंडली द्वारा गोस्वामी तुलसीदास कृत श्रीरामचरितमानस का सुमधुर पाठ किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। रावण दहन के साथ गुंजे जय श्रीराम के जयघोष-जेआरसी मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर और आसपास के क्षेत्रों से

बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। लगभग दो घंटे तक चले आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और भक्ति का भाव दिखाई दिया। भारी भीड़ को देखते हुए स्थानीय प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं व्यवस्था के आवश्यक इंतजाम किए गए थे।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में भगवान श्रीराम के प्रतीकात्मक

बाण से रावण की नाभि पर प्रहार किया गया। बाण लगते ही अहंकार, अन्याय और अधर्म के प्रतीक रावण का विशाल पुतला अग्नि की लपटों में घिर गया। इस दृश्य के साथ ही मैदान में उपस्थित जनसमुदाय ने जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। रावण दहन के साथ ही लोगों ने सत्य, धर्म और

सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश आत्मसात किया।

देवी प्रतिमाओं के विसर्जन का क्रम भी हुआ प्रारंभ- विजयादशमी के साथ ही शारदीय नवरात्र पर्व का समापन हुआ और नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला भी प्रारंभ हो गया। श्रद्धालु गाजे-बाजे और भक्तिमय

जयकारों के साथ देवी प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए लेकर पहुंचे। नगर पालिका द्वारा थांवर नदी पर बनाए गए कृत्रिम विसर्जन कुंड में प्रतिमाओं के विसर्जन का क्रम देर रात तक जारी रहा। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के बीच संपन्न हुए इन आयोजनों के साथ ही नगर में नौ दिनों से चल रहे शारदीय नवरात्र उत्सव का समापन हुआ।

संपादकीय

सत्ता-परिवर्तन की लड़ाई

भारत एक संप्रभु, गणतांत्रिक, लोकतांत्रिक, संवैधानिक राष्ट्र है। भारत में आज तक तख्तापलट नहीं किया जा सका। देश में सत्ता का हस्तांतरण एकदम सहज और सरल भाव के साथ हो जाता है। हम अब किसी मुगल बादशाह की सल्तनत का देश नहीं हैं। भारत बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका भी नहीं है और कभी हो भी नहीं सकता। इन देशों में एक निश्चित भीड़ ने विद्रोह किया और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा। बांग्लादेश में तो 6 बार तख्तापलट किए जा चुके हैं। फिर भी इन देशों में नई सत्ता चुनाव के जरिए ही स्थापित हो पाई। हमारे देश में जो हुड़दंगी बांग्लादेश के ‘कट्टरपंथी विद्रोह’ से प्रेरित हैं, वे मुगालते में हैं और कठपुतलियों की तरह सक्रिय हैं। वे भारतीय सत्ता का ‘तिनका’ भी नहीं तोड़ सकते।

भारत में 1977 से पहले कांग्रेस ही सत्ता में रहती थी, बेशक उसके टुकड़े होते रहते थे। आपातकाल के बाद 1977 में चुनाव हुए, तो पहली बार गैर-कांग्रेसी, जनता पार्टी की, सरकार बनी और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने। तब वाकई ‘रिजीम चेंज’, यानी व्यवस्था-परिवर्तन हुआ था, क्योंकि जनता पार्टी की सत्ता मानसिक, वैचारिक, कार्य-प्रणाली के तौर पर भी गैर-कांग्रेसी थी, लिहाजा भारत सरकार में कई स्तरों पर व्यवस्थाएं बदती गईं। हालांकि वह राजनीतिक प्रयोग, अंततः नाकाम साबित हुआ। उसने निराश किया, वह विभाजित हो गया, अंततः 1980 में इंदिरा गांधी सरकार की वापसी हुई। आपातकाल के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जयप्रकाश नारायण और मोरारजी देसाई सरीखे नेताओं को ‘सीआईए एजेंट’ तक करार दिया था। राममनोहर लोहिया और तत्कालीन जनसंघ के नेता नारे लगाया करते थे- ‘सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।’ बहरहाल मौजूदा संदर्भ में प्रख्यात अधिकवा सत्ता-परिवर्तन की लड़ाई है। हम युवाओं के नेतृत्व में ‘रिजीम चेंज’ करके रहेंगे। उन्होंने ऐसे ही नारे ‘अन्ना आंदोलन’ के दौरान भी लगाए थे। बेशक आम आदमी पार्टी की सरकार बनी, लेकिन प्रशांत सरीखों को बाहर खदेड़ दिया गया। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का मानना है कि आपातकाल के बाद ‘रिजीम चेंज’ हुई थी। यह विपक्ष का ही दावित्व है कि वह चुनाव के जरिए सत्ता-परिवर्तन कराए। दावे और नारे कुछ उलझ रहे हैं। सत्ता और व्यवस्था-परिवर्तन में भेद नहीं किया जा रहा और भीड़ ‘मोदी की सत्ता’ को उखाड़ फेंकने की हूंकारें भर रही है। यदि समूचे विपक्ष की यही रणनीति है कि राजधानी दिल्ली और कुछ अन्य प्रमुख शहरों में भीड़ जुटा कर अराजकता फैलाई जाए, तो 2027 में ही उग्र, पंजाब समेत पांच राज्यों में चुनाव होने हैं। विपक्ष जोर लगाए, लामबंदियां बनाए और सत्ता-परिवर्तन के प्रयास करे। देश उन राज्यों के जनादेश देखना चाहेगा, लेकिन ‘रिजीम चेंज’ के कोई आसार नहीं हैं। तिलचट्टों और कथित वामपंथी हुड़दंगियों के जरिए भारत जैसे विशाल, विविध देश की सत्ता और व्यवस्था नहीं बदली जा सकती। उसकी ‘अरब स्प्रिंग’ से तुलना करना भी कुतर्क है। अक्सर शांत और सख्त रहने वाले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर गंभीर आरोप मढ़े हैं कि वह अराजकता फैला कर देश में ‘आग’ लगाना चाहते हैं। उन्हें यह करने का कोई लाइसेंस नहीं मिला है। बहरहाल ‘रिजीम चेंज’ या सत्ता-परिवर्तन इसलिए भी संभव नहीं है, क्योंकि 2029 तक का जनादेश और भरपूर बहुमत मोदी सरकार को हासिल है। ‘वोट चोरी’ या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े मुद्दे ‘दोषजीवी’ नहीं हैं, आप सीईसी को ‘सनातन खलनायक’ भी करार नहीं दे सकते। बेशक मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण में कई खामियां सामने आई हैं, हम भी ‘मताधिकार’ की निरंतर पैरवी करते रहे हैं, लेकिन अब चुनाव आयोग ‘विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण’ के जरिए 17 राज्यों में गलतियां सुधार रहा है।

आज वो जंतर-मंतर नहीं : आंदोलनों के लिए इसका बंद होना सत्याग्रहियों के लिए चिंता की खबर, ऐसे लोगों की संख्या कम

अवधेश कुमार

अब जंतर-मंतर दिल्ली में धरना, विरोध प्रदर्शन और आंदोलनों का स्थान नहीं रहा। दिल्ली पुलिस ने डिनोटिफाई करते हुए रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड को प्रदर्शन और रैली करने के लिए तय किया है। स्वयं उच्चतम न्यायालय ने जंतर-मंतर के बजाय दूसरी जगह का सुझाव दिया था। उसके पहले राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए जंतर-मंतर पर धरने को प्रदूषण फैलाने वाला माना था। हरित प्राधिकरण के इस फैसले का व्यापक विरोध हुआ और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन पहले की तरह होते रहे।

यह जानकारी पहले से थी कि गृह मंत्रालय ने जंतर-मंतर के बजाय लोगों को मांग रकने व धरना प्रदर्शन आदि के उपयुक्त स्थान तय करने के लिए एक समिति का गठन किया। इसी समिति के सुझाव पर यह निर्णय किया गया है। तत्काल वर्तमान निर्णय पर कोई निश्चित मत देना जरा कठिन है। अभी इतना ही कह सकते हैं कि हर विचारधारा के वास्तविक सत्याग्रहियों, एक्टिविस्टों, आंदोलनकारियों, रचनात्मक काम करने वाले या दूसरे शब्दों में संपूर्ण जीवन निस्वार्थ भाव से आवश्यकता अनुसार रचना और संघर्ष में लगा देने वाले लोगों के लिए निश्चय ही यह निर्णय थोड़ी चिंता का विषय बना है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में आंदोलनों की प्रकृति को देखते हुए ऐसे लोग स्वयं ही इससे लगभग अलग हो गए थे। वैसे अब इस तरह के लोगों की संख्या देश में अत्यंत कम बची है। पिछले सामान्य तरीका हुआ करता था कि कोई भी धरना-प्रदर्शन करना है, तो हम पुलिस के पास एक आवेदन देते थे और सामान्यतः पुलिस उसे स्वीकार करती थी। कार्यक्रम का



समय तय होता था। अगर पैदल मार्च करना है, तो उसकी भी अनुमति मिलती थी और जंतर-मंतर से निकलकर संसद मार्ग तक लोग जाते थे, जहां पुलिस रोकती रुक जाते थे। जंतर-मंतर पर एक व्यवस्था मांग पत्र और ज्ञापन देने की भी थी। यही नहीं अगर आपको किसी मंत्री या अधिकारी के समक्ष जरूर बात रखनी हो, तो उसकी व्यवस्था भी कई बार हो जाती थी।

नागरिकता संशोधन कानून के विरुद्ध आयोजित शाहीनबाग धरना के साथ देश में धरना-प्रदर्शन और आंदोलन का चरित्र पूरी तरह बदल चुका है। कृषि कानून के विरुद्ध आंदोलन में भी हमने देखा 26 जनवरी, 2021 को प्रदर्शनकारी लाल किले पर चढ़ गए और गिरंगा झंडा तक उतार दिया। लोकतंत्र में अपनी सोच के अनुसार वाजिब – गैर वाजिब किसी भी तरह की मांग या बदलाव के लिए धरना प्रदर्शन या आंदोलन का अधिकार हम सबको है। किंतु उसमें कानून और व्यवस्था का पहलू भी शामिल है।

महात्मा गांधी, जयप्रकाश नारायण और डॉ. राम मनोहर

लोहिया जैसे महान लोगों का नाम तो लेते हैं, लेकिन इन विभूतियों ने उग्रता और हिंसा की बात तो छोड़िए, कभी किसी के संदर्भ में असभ्य और अमर्यादित शब्दों तक का प्रयोग नहीं किया। आंदोलनों में उग्र भाषा का प्रयोग होता रहा है, लेकिन व्यवहार की एक मर्यादा भी बनी रही। जहां ये टूटी, वहां पुलिस प्रशासन को कानून व्यवस्था के नाम पर कार्रवाई करने का अवसर मिला।

संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली के चरित्र में कोई परिवर्तन अचानक नहीं आता। मांगों के बारे में आशासन दिया जाता है और फिर प्रक्रिया के तहत पूरी होती हैं। इतनी समझदारी मांग करने वालों के अंदर होनी चाहिए। अब तो ऐसा लगता है कि धरना शुरू किया और मांगें पूरी हों, नहीं तो फिर कोहराम मचा देंगे। इसलिए पुलिस प्रशासन के लिए कुछ ही रास्ते बचते हैं या तो आंदोलनकारियों को उपयुक्त स्थान पर पहुंचने न दें, उन्हें समय से पहले हिरासत में ले लें, गिरफ्तार कर लें या फिर वह नहीं माने तो इसके आगे का कदम उठाएं।

जंतर – मंतर ऐसी जगह थी, जहां से संसद, वर्तमान पुलिस मुख्यालय, सारे मंत्रालय, पूरा कर्तव्य पथ सब आसपास थे। ज्ञापन देना आदि आसान होता था। प्रशासन का दायित्व बनता है कि नियोजित मांगों आदि को उपयुक्त स्थान तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था हो। ऐसा संभव नहीं कि किसी व्यवस्था में कोई निर्णय गलत नहीं हो, किसी के साथ अन्याय, अत्याचार नहीं हो और इसीलिए अहिंसक न्यायोचित धरना प्रदर्शन आंदोलन आदि पूरी व्यवस्था के आवश्यक अंग हैं। इनके लिए समुचित स्थल, व्यवस्था एवं अनुकूल ढांचा बनाए रखना सभी सरकारों और प्रशासन का दायित्व है।

हिमानी झीलों पर वैज्ञानिक पहरा या सुरक्षा का भ्रम?



अनुसार किया गया।

दूसरी महत्वपूर्ण जानकारी उपकरण की स्थापना के स्थान से संबंधित है। बताया जा रहा है कि इसे स्थिर चट्टानी आधार के बजाय अपेक्षाकृत कमजोर हिमोढ़ अथवा मोरेन पर स्थापित किया गया है। हिमोढ़ हिमनद द्वारा जमा किया गया मिट्टी, रेत, कंकड़ और चट्टानी टुकड़ों का असंगठित मलबा होता है। ऐसी संरचनाएं हमेशा ठोस चट्टान की तरह स्थिर नहीं होतीं। जमने-पिघलने की प्रक्रिया,

प्रख्यात भूवैज्ञानिक, हेमवती नंदन

ज्योति भास्कर

लोग चाहते हैं कि दूसरे उन्हें योग्य समझें, उनकी प्रशंसा करें और उनके व्यक्तित्व में कोई कमी न निकाल सकें। इसके लिए वे अपने व्यक्तित्व को इस तरह प्रस्तुत करने का प्रयास करते हैं कि दूसरों की नजरों में उनकी छवि अच्छी बनी रहे। इसमें कोई बुराई नहीं है। खुद को सुधारना और बेहतर बनना अच्छी बात है। लेकिन, दिक्रत तब शुरू होती है, जब इन्सान सच में बेहतर बनने के बजाय सिर्फ दूसरों के सामने बेहतर दिखने का दिखावा करने लगता है। तब हमारा जीवन स्वयं को विकसित करने में कम और अपनी कमियों को छिपाने में अधिक खर्च होता है।

मनुष्य अपनी कमजोरियों को जितना छिपाना चाहता है, कई बार उसना ही अधिक उनके प्रति सजग रहने लगता है। उसे डर होता है कि कहीं कोई उसकी अज्ञानता पहचान न ले, उसकी असफलता सामने न आ जाए या कोई उससे बेहतर सिद्ध न हो जाए। यहीं एक महत्वपूर्ण प्रश्न पैदा होता है कि क्या हम सचमुच अपनी कमियों से परेशान हैं, या इस बात से अधिक कि दूसरे लोग उन्हें देख लेंगे? दोनों में बहुत अंतर है। यदि हम अपनी गलती पहचानते हैं, तो उसे सुधार सकते हैं। पर, यदि हमारी चिंता यह है कि कोई हमें अज्ञानी या गलत न समझ ले, तो हम सीखने और गलतियों को सुधारने के बजाय अपनी सफाई देने में लगे रहेंगे। तब हमारा ध्यान समस्या को हल करने पर नहीं, अपनी प्रतिष्ठा को बचाने पर केंद्रित हो जाएगा।

दरअसल, हम अपनी प्राप्ति को इस आधार पर नहीं मापते कि हमने कितना सीखा, बल्कि पैमाना यह होता है

कथित संचालक चाहत रखते हैं। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और यहां तक कि न्यायपालिका के खिलाफ अर्धनग्न लड़कियों द्वारा इतनी अभद्र भाषा का इस्तेमाल किए जाने के बावजूद यदि दुनिया तानाशाही का माहौल बताती है, तो फिर चीन के बीजिंग स्थित थियानमेन चौक पर 1989 में हुए विरोध प्रदर्शनों को क्या कहा जाएगा? विभिन्न अनुमानों के अनुसार, उन विरोध प्रदर्शनों में तीन सौ से लेकर दस हजार से भी अधिक लोगों की जान गई थी।

अगर सरकार हथौड़ा चलाने लगे, तो यही लोग जोर-शोर से चिल्लाएंगे कि सरकार अहंकारी हो गई है और सत्ता उनके सिर चढ़कर बोल रही है। सरकार के लिए कठोर कार्रवाई करना सबसे आसान रास्ता हो सकता है, लेकिन इतनी उकसाहट के बावजूद संयम बनाए रखना भी सराहनीय है। इस लेख का उद्देश्य यह है कि पाठकों के सामने एक व्यापक तस्वीर रखी जा सके। याद रखिए, सरकार अकेले यह काम नहीं कर सकती। इसके लिए नागरिकों की भागीदारी भी आवश्यक है। यदि आप उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर सकते, तो कम से कम उनका समर्थन न करें। इसके बजाय, विधिवत निर्वाचित सरकार के साथ मजबूती से खड़े रहें, जिसने पिछले बारह वर्षों में परिणाम दिए हैं। यही बात उपद्रवियों को सबसे ज्यादा परेशान करती है।

जब कोई देश अराजकता और सत्ता परिवर्तन के प्रयासों की चपेट में आता है, तो आम तौर पर वहां भीषण अस्थिरता, व्यवस्थागत विघटन और सत्ता के अप्रत्याशित संघर्ष का दौर शुरू हो जाता है। दिवंगत चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ जनरल बिपिन रावत ने कहा था कि भारतीय सेना को ‘ढाई मोर्चों पर युद्ध’ लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसका आशय एक साथ बाहरी और आंतरिक सुरक्षा नीतियों का सामना करने था। वास्तव में, पूरे देश को इसके लिए तैयार रहना चाहिए। फिलहाल, ऐसा ही परिदृश्य दिखाई दे रहा है और भविष्य में भी इस तरह के प्रयास बार-बार हो सकते हैं।

क्या आप कभी ऐसी स्थिति में रहना चाहेंगे? इस सवाल का ईमानदारी से जवाब बड़िया, आपको अपने प्रश्न का उत्तर मिल जाएगा। जनादेश की तलाश करने वालों के लिए असली महत्व उन लोगों का है, जो अपने मताधिकार का इस्तेमाल करते हैं; न कि उनका, जो अराजकता फैलाना चाहते हैं।

दिखावे से बेहतर है भीतर का निखार, श्रेष्ठ बनने की होड़ से बचने के सूत्र से सफलता



कि दूसरे हमसे कितना पीछे हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह है कि हम अपने जीवन को एक ऐसी परीक्षा बना देते हैं, जिसका परिणाम कभी पूरी तरह हमारे पक्ष में नहीं आ सकता। दुनिया में हमेशा जीतने का कोई ऐसा होगा, जो हमसे बेहतर है। अगर हम अपनी कीमत सिर्फ इस बात से तय करेंगे कि हम दूसरों से कितने आगे हैं, तो हमें जिंदगी भर खुद को सबसे बेहतर साबित करने की दौड़ में भागना पड़ेगा। ऐसे में, कोई भी कामयाबी हमें

सच्ची खुशी या सुकून नहीं दे पाएगी, क्योंकि हर बार तुलना करने के लिए कोई नया इंसान सामने आ जाएगा। सच तो यह है कि कोई भी हर समय सर्वश्रेष्ठ नहीं हो सकता। इसलिए, अपनी कमियों को स्वीकार करना कोई हार नहीं है, बल्कि उन्हें मानकर ही हम खुद को बेहतर बना सकते हैं।

जीवन का उद्देश्य हर व्यक्ति के सामने स्वयं को योग्य सिद्ध करना नहीं हो सकता। इससे अधिक जरूरी यह है कि हम अपने भीतर मौजूद संभावनाओं को कितना विकसित कर पाते हैं, अपनी गलतियों से कितना सीखते हैं और दूसरों के प्रति कितना ईमानदारी रहते हैं। जिस दिन हमें अपनी अपूर्णता से भागने की जरूरत नहीं रह जाती, उसी दिन हम दूसरों से श्रेष्ठ दिखाई देने की मजबूरी से भी धीरे-धीरे मुक्त होने लगते हैं। मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि दूसरों से श्रेष्ठ सिद्ध होना नहीं, बल्कि अपनी कमियों को पहचानकर उनसे आगे बढ़ना है। जब हम अपना जीवन लोगों की प्रशंसा पाने और अपनी छवि बचाने में लगा देते हैं, तब स्वयं से दूर होने लगते हैं। दुनिया में हमेशा कोई हमसे अधिक योग्य और सफल होगा। इसलिए, तुलना से मिलने वाला संतोष कभी स्थायी नहीं हो सकता।

स्थापित किया था।

उस समय झील को अत्यधिक संवेदशील नहीं माना गया था। लेकिन जून 2013 की असाधारण वर्षा और झील से अचानक पानी तथा मलबे के बहाव के दौरान वहां स्थापित उपकरण का भी पता नहीं चला। उनका सुझाव है कि यदि ऐसे उपकरण सुरक्षित चट्टानी आधार पर स्थापित किए जाएं, तो आपदा के दौरान उनके बचने और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आंकड़े उपलब्ध कराने की संभावना बढ़ सकती है। चोराबाड़ी के उपकरण और उससे प्राप्त आंकड़ों की वास्तविक स्थिति का अभिलेखीय सत्यापन भी उपयोगी होगा।

हिमालय की झीलों पर वैज्ञानिक पहरे का अर्थ केवल उपकरण स्थापित करना नहीं, बल्कि उनकी विश्वसनीयता सुनिश्चित करना है। उपलब्धियों का ढोल पीटने से अधिक आवश्यक है वैज्ञानिक सतर्कता, तकनीकी प्रदर्शिता और जवाबदेही। आखिर प्रश्न किसी परियोजना की प्रतिष्ठा का नहीं, हजारों लोगों के जीवन की सुरक्षा का है।

फ्रांस में तयों भड़का उपद्रव ? इंटरनेट पर फैले झूठ के जनजाल में दब रही सच्चाई

पेरिस

सड़कों पर नेपोलियन की वेशभूषा में घूमते प्रदर्शनकारियों से लेकर डियोर जैसे लकजरी फैशन स्टोर्स में लूटपाट तक, फ्रांस इस समय हाल के वर्षों के सबसे गंभीर नागरिक संकट से जूझ रहा है। छात्रों के नेतृत्व में शुरू हुए प्रदर्शनों के हिंसक रूप लेने के बाद देश भर में बड़े पैमाने पर तोड़फोड़, आगजनी और सुरक्षा बलों के साथ टकराव देखा गया है। पेरिस से 400 किलोमीटर दूर लिमोज शहर में 140 साल पुराने ऐतिहासिक टाउन हॉल की आग के हवाले कर दिया गया। देश भर में सैकड़ों पुलिसकर्मी घायल हुए हैं और लगभग 1800 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उपद्रव के

कारण कई इलाकों में पर्यटक आंसू गैस के बीच अपने सूटकेस लेकर भागते नजर आए। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि गणतंत्र में उपद्रव के लिए कोई जगह नहीं है और सार्वजनिक संपत्तियों पर हमला करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यह आंदोलन मुख्य रूप से छात्रों द्वारा शुरू किया गया था, जो स्कूलों की खस्ताहाल इमारतों, भीड़भाड़ वाली क्लासेज, शिक्षकों की भारी कमी और तेजी से बढ़ती महंगाई के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। पेरिस के उपनगरों से शुरू हुआ यह असंतोष धीरे-धीरे मार्सिले, बोर्डो, ल्यों, नीस और स्ट्रासबर्ग जैसे बड़े शहरों में फैल गया देखते ही



देखते इस आंदोलन में शिक्षक, अभिभावक, विश्वविद्यालय के छात्र और ट्रेड यूनियन भी शामिल हो गए। घरेलू बजट पर पड़ते दबाव और सरकारी नीतियों के प्रति उपजे गुस्से ने इस प्रदर्शन

को व्यापक जन-आक्रोश में बदल दिया। हालांकि, बुनियादी शिक्षा और रोजमर्रा की लागत को लेकर शुरू हुई यह जायज मांगें जल्द ही असामाजिक तत्वों की लूटपाट और आगजनी के साए में

दबकर रह गई। इस अशांति के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दक्षिणपंथी नेताओं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने वास्तविक मुद्दों को भटकाने की कोशिश की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित कई नेताओं ने दावा किया कि फ्रांस के इन हालातों के लिए केवल इमिग्रेशन जिम्मेदार है और उन्होंने सीमाओं को तुरंत बंद करने की बात कही। एलेक्स जोन्स और टॉमी रॉबिन्सन जैसे व्यक्तियों ने सोशल मीडिया पर पुराने और असंबंधित वीडियो पोस्ट करके इसे श्वेत-विरोधी बगावत और इस्लामी विद्रोह का नाम दिया। एक वायरल वीडियो में जलती हुई बस दिखाकर ताजा हिंसा का दावा किया गया, जबकि वह वास्तव में 2022 में दक्षिणी फ्रांस के

नीम्स शहर में एक स्कूल बस में लगी आग का पुराना मामला था। इसी तरह बिना किसी ठोस सबूत के पादरियों पर हमलों और सड़कों पर लाशें बिछी होने के जैसी मनगढ़ंत बातें फैलाई गईं, जिससे प्रदर्शनों के मूल आर्थिक और सामाजिक कारणों से ध्यान भटक गया।

फ्रांस के समाज में अपनी मांगों को मनवाने के लिए सड़कों पर उतरने और सत्ता को चुनौती देने का सदियों पुराना इतिहास रहा है। वर्ष 1358 में गरीब किसानों ने सामंतों के शोषण और भारी करों के खिलाफ जाकेरी विद्रोह किया था। इसके बाद 1789 की विश्व प्रसिद्ध फ्रांसीसी क्रांति ने राजशाही को उखाड़ फेंका और जनता के अधिकारों की स्थापना की। आगे चलकर 1830, 1848

की क्रांतियों और 1871 के पेरिस कम्यून ने भी नागरिक अधिकारों की लड़ाई को धार दी। आधुनिक दौर में छात्र आंदोलनकारी अक्सर मई 1968 के ऐतिहासिक छात्र विद्रोह से प्रेरणा लेते हैं, जिसने देश के राजनीतिक और सामाजिक ढांचे को पूरी तरह बदल दिया था। वर्ष 2018 का येलो वेस्ट आंदोलन भी ईंधन की कीमतों और जीवन-यापन की लागत के खिलाफ आम नागरिकों का ऐसा ही एक बड़ा उभार था।

फ्रांस का इतिहास बताता है कि जब नागरिकों को लगता है कि उनकी समस्याओं को सामान्य व्यवस्था के जरिए नहीं सुलझाया जा रहा, तो वे सड़क पर उतरकर व्यवस्था को जगाना अपना सबसे बड़ा अधिकार मानते हैं।

रूस एक बड़ी मशीन है, अब यूक्रेन पर युद्ध खत्म करने का दबाव बना रहे ट्रंप

नई दिल्ली

चार साल से चल रहे रूस और यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कई कोशिश के बाद अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर कुछ नरम रुख अपनाते हुए ये जिम्मेदारी यूक्रेन पर ही डाल दी है। उन्होंने कहा कि युद्ध में रूस ज्यादा ताकतवर दिखाई दे रहा है।

ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करने के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन इस जंग में रूस से पीछे है। मॉस्को ने कई नए इलाके जीत लिए हैं। कीव अपनी स्थिति बनाए रखने में नाकाम हो रहा है। इसलिए यूक्रेन को खुद इस जंग को खत्म करने की इच्छा रखनी होगी।

मॉस्को लगातार यूक्रेन के नए इलाकों पर कब्जे कर रहा है। इस पर ट्रंप ने कहा कि रूस एक बड़ी मशीन है जो बस आगे बढ़ती रही है। उन्होंने दावा किया कि मॉस्को ने यूक्रेन में एक बड़े हिस्से



को अपने कब्जे में ले लिया है। उन्होंने यूक्रेन को दी जा रही आर्थिक मदद की ओर भी इशारा करते हुए कहा कि इससे वाशिंगटन को क्या हासिल हुआ?दरअसल अमेरिका इस जंग में काफी लंबे समय से यूक्रेन को आर्थिक सहायता के अलावा सैन्य उपकरणों को स्पलाई करके मदद कर रहा है। उन्होंने का कि इसके बदले में यूक्रेन ने हमें दुख, मौत और भारी आर्थिक नुकसान के अलावा कुछ

भी नहीं हासिल होने दिया। उन्होंने जंग रोकने पर सहमति नहीं बन पाने की वजह पर कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और जेलेन्स्की के बीच गहरी दुश्मनी है। इस वजह से ही उनकी नफरत एक टेबल पर आ कर बातचीत में बड़ी बाधा बन रही है। दोनों नेता एक दूसरे से काफी अनरत करते हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग की वजह से अमेरिका में ईंधन की कीमतों में

काफी ज्यादा बढ़ोतरी देखी जा रही है। ऐसे में उन्होंने रूस से डीजल खरीद को हरी झंडी दे दी है। इससे दूसरे देश जो रूस से तेल और गैस खरीद रहे हैं उन्हें भी रियायत मिली है।

यूक्रेन पर युद्ध को लेकर रूस पर लंबे समय से काफी प्रतिबंध लगा था। अब अमेरिकी अपनी घरेलू महंगाई कम करने में मॉस्को से मदद ले रहा है। इधर, अगले महीने अमेरिका में मिड टर्म चुनाव है जिसमें ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी की स्थिति ज्यादा ठीक नहीं है। इसलिए रूस के प्रति नरम रुख अपना रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप कई महीनों से इस जंग को खत्म करने की कोशिश में जुटे रहे। एक वक्त तो उन्होंने इसे एक साल के अंदर खत्म करने का भी दावा किया लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इसलिए अब वो खुद किनारा कर इस जंग को खत्म करने की जिम्मेदारी यूक्रेन पर डाल दी है।

ईरान ने कहा- अमेरिका पर भरोसा नहीं, विफल कूटनीति का ही नतीजा है मौजूदा युद्ध

तेहरान, (स्फुटनिक/वार्ता)।

ईरान ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उसे अमेरिका या अमेरिकी नेतृत्व वाली कूटनीतिक वार्ताओं पर कतई भरोसा नहीं है। कूटनीतिक वार्ताओं की विफलता और उसके बाद छिड़े सैन्य संघर्ष के इतिहास का हवाला देते हुए उसने यह रुख अपनाया है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बुधवार को अमेरिका पर किसी भी तरह के भरोसा करने की बात खारिज कर दी। उन्होंने शांति स्थापित करने के उद्देश्य से की गई पिछले तीन दौर की विफल वार्ताओं का जिक्र करते हुए यह बात कही। श्री अराघची ने कहा, अमेरिकी पक्ष के साथ हमारी कई दौर की बातचीत हुई लेकिन उन सभी का अंत आखिरकार हमारे देश के खिलाफ युद्ध भड़काने की कोशिशों के अलावा कुछ नहीं हुआ। इससे पहले सितंबर में, श्री अराघची ने कहा था कि ईरान ने मध्यस्थों के जरिये अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए एक सात-दिवसीय योजना साँपी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालांकि इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था।

ईरानी शासन को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध, ट्रंप से बातचीत के बाद बोले नेतन्याहू

यरुशलम

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ सोमवार को इजरायल के अघोषित दौरे पर पहुंचे और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच ईरान के मुद्दे पर चर्चा हुई। इजरायल के तीन अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह दौरा ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ रहा है। इधर, नेतन्याहू ने बताया कि उनकी ट्रंप से रविवार को बातचीत हुई। इस दौरान ट्रंप से ईरानी शासन को खत्म करने के मुद्दे पर चर्चा की। हम ईरानी शासन को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के प्रवक्ता डोरन स्पीलमैन ने बाद में इस मुलाकात की पुष्टि की। यह मुलाकात इजरायल के दक्षिणी नेगेव रेगिस्तानी इलाके में स्थित उद्धा एयरबेस पर हुई।

स्पीलमैन के अनुसार, नेतन्याहू और हेगसेथ ने क्षेत्रीय खतरों और इनसे निपटने में अमेरिका और



इजरायल की साझेदारी पर चर्चा की। इधर, अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने हेगसेथ के इजरायल दौरे पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है।

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ सोमवार को इजरायल के अघोषित दौरे पर पहुंचे और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच ईरान के मुद्दे पर चर्चा हुई। इजरायल के तीन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह दौरा ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव

एक बार फिर बढ़ रहा है। इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू के प्रवक्ता डोरन स्पीलमैन ने बाद में इस मुलाकात की पुष्टि की। यह मुलाकात इजरायल के दक्षिणी नेगेव रेगिस्तानी इलाके में स्थित उद्धा एयरबेस पर हुई। स्पीलमैन के अनुसार, नेतन्याहू और हेगसेथ ने क्षेत्रीय खतरों और इनसे निपटने में अमेरिका और इजरायल की साझेदारी पर चर्चा की। इधर, अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने हेगसेथ के इजरायल दौरे पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है।

चेन्नई में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित,

पांच जिलों के विद्यालयों में छुटी

चेन्नई, (वार्ता)। तमिलनाडु की राजधानी एवं इसके उपनगरों और राज्य के उत्तरी जिलों में हुई मूसलधार बारिश के कारण प्रशासन ने पांच जिलों के विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया है। इस बीच, 23 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक नया कम दबाव क्षेत्र बनने का अनुमान है, जिससे आने वाले दिनों में पूर्वोत्तर मानसून की बारिश और तेज होगी। कल रात गरज-चमक के साथ शुरू हुई बारिश रुक-रुक कर तेज गति से जारी रही, जिससे कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया। बुधवार सुबह भी बारिश जारी रही। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि उत्तरी और दक्षिणी तटीय जिलों में बौछारें जारी रहेंगी। उत्तरी तटीय जिलों में दिन भर अधिक से बहुत अधिक बारिश होने के आसार हैं, जबकि कावेरी डेल्टा जिलों में भी तेज बारिश हो सकती है। तमिलनाडु के कई अन्य जिलों में भी जबरदस्त बारिश हुई है। मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार, सुबह 05:30 बजे तक यहां के उपनगरीय मीनांबक्कम वेधशाला में 12.3 सेमी और चेन्नई शहर की नुंगमबक्कम वेधशाला में 10.7 सेमी बारिश दर्ज की गई। ठंडी हवाओं और सुहावने मौसम के बीच रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। चेन्नई और पड़ोसी जिलों के कई हिस्सों से जलभराव की सूचना है। नगर निकाय कर्मचारियों ने हालांकि मुस्तैदी दिखाते हुए शहर के सभी भूमिगत मार्गों से पानी साफ कर दिया और यातायात सामान्य बनाए रखा। इस बीच, राहत और बचाव कार्यों में जुटे वृहद चेन्नई नगर निगम के अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और कई इलाकों में जमा बारिश के पानी को पंप से बाहर निकालने के लिए कर्मचारियों को तैनात किया गया है।

पुलिस स्मृति दिवस पर मुख्यमंत्री योगी ने शहीद पुलिसकर्मियों को दो श्रद्धांजलि

लखनऊ, (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर कर्तव्य की वेदी पर अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर पुलिस कर्मिकों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृभूमि की रक्षा और नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले अमर बलिदानियों का शौर्य सदैव स्मरणीय रहेगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश और समाज की सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों ने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। इन वीर जवानों की शहादत पुलिस बल की गौरवशाली परंपरा को और मजबूत करती है तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत है। कर्तव्य के प्रति शहीद पुलिसकर्मियों की अटूट निष्ठा, साहस और समर्पण राष्ट्रसेवा का मार्ग सदैव आलोकित करते रहें।

शेख हसीना ने बंगलादेश में मानवाधिकारों की बिगड़ती स्थिति पर अमेरिका से ध्यान देने की अपील

वाशिंगटन (वार्ता)

बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अमेरिका से अपील करते हुए कहा है कि वह उनके देश में मानवाधिकारों की बिगड़ती स्थिति पर अधिक ध्यान दे और स्वतंत्र चुनाव, निष्पक्ष न्यायपालिका और राजनीतिक विपक्ष के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने का प्रयास करे।

सुश्री हसीना ने सेंटर फॉर यूएस-बंगलादेश रिलेशन्स की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में ऑनलाइन हिस्सा लेते हुए कहा कि बंगलादेश का आकलन संवैधानिक शासन उच्चत कानूनी प्रक्रिया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के तहत समान संरक्षण जैसे सार्वभौमिक सिद्धांतों के आधार पर किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, **अ**मैं अमेरिका से

शेख हसीना या अवामी लीग को चुनने के लिए नहीं कहती। मैं अमेरिका से लोकतंत्र चुनने की अपील करती हूं। मैं हस्तक्षेप की नहीं, बल्कि गैर-हस्तक्षेप के समर्थन की मांग करती हूं। उन्होंने अमेरिका से स्वतंत्र और समावेशी चुनावों का समर्थन करने का आग्रह किया। राजनीतिक मतभेदों के कारण किसी पूरे राजनीतिक दल को बाहर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, जब असहमति पूरे राजनीतिक दलों को बाहर करने या लाखों नागरिकों की आवाज दबाने का बहाना बन जाती है, तो लोकतंत्र जीवित नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि अवामी लीग के समर्थक भी बंगलादेश के नागरिक हैं और राजनीतिक जीवन में उनके स्थान का सम्मान किया जाना चाहिए। इसी तरह, उनकी सरकार का विरोध करने वालों के अधिकारों



की भी रक्षा की जानी चाहिए। सुश्री हसीना ने कहा, बंगलादेश का भविष्य प्रतिशोध के बजाय मेल-मिलाप की नींव पर बनाया जाना चाहिए। उन्होंने अपनी सरकार, वर्ष 2024 की घटनाओं और उनके बाद के घटनाक्रमों को लेकर उठ रहे सवालों को स्वीकार करते हुए कहा कि वह इनका जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उनके सहित किसी भी व्यक्ति के खिलाफ लगे आरोपों का निपटारा राजनीतिक घोषणाओं के बजाय

निष्पक्ष कानूनी कार्रवाई के जरिए होना चाहिए। उन्होंने कहा, न्याय के लिए हिंसा के पीड़ितों, नुकसान झेलने वाले परिवारों, गैरकानूनी रूप से हिरासत में लिए गए लोगों और निष्पक्ष बचाव के हकदार आरोपियों के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार जरूरी है। न्याय के बिना स्थायी शांति नहीं हो सकती और उचित कानूनी प्रक्रिया के बिना न्याय संभव नहीं है। उन्होंने ऐसे राजनीतिक माहौल की मांग की, जहां चुनावों का फैसला हिंसा के बजाय मतदाता करें, पत्रकार बिना किसी डर के खबरें दे सकें, युवा स्वतंत्र रूप से आलोचना कर सकें और आर्थिक अवसर राजनीतिक संबंधों के बजाय योग्यता के आधार पर मिलें। सुश्री हसीना ने दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच बंगलादेश की रणनीतिक स्थिति तथा बंगाल की खाड़ी और हिंद-

प्रशांत क्षेत्र में उसके महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ देश के आर्थिक संबंध, जिनमें अमेरिकी बाजार पर निर्भर लोगों की आजीविका भी शामिल है, बंगलादेश की स्थिरता को दोनों पक्षों के लिए महत्वपूर्ण बनाते हैं। उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार और निवेश संबंध मजबूत करने, शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ाने तथा सुरक्षा सहयोग को और गहरा करने की अपील की। साथ ही, उन्होंने कहा कि बंगलादेश को अमेरिका, भारत, चीन, जापान और यूरोप के साथ रचनात्मक संबंध बनाए रखने चाहिए। सुश्री हसीना ने अमेरिका से बंगलादेश में संवैधानिक संस्थाओं का समर्थन करने की अपील की, लेकिन साथ ही कहा कि अमेरिका को यह तय नहीं करना चाहिए कि देश पर शासन कौन करे।

गोलू गुप्ता का किरदार फिर निभाना चाहती हैं श्वेता त्रिपाठी

बॉलीवुड अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने लोकप्रिय वेब सीरीज मिर्जापुर में गोलू गुप्ता के किरदार से अपने जुड़ाव का जिक्र करते हुए भविष्य में एक बार फिर इस भूमिका को निभाने की इच्छा जताई है। श्वेता ने मिर्जापुर-द मूवी के साथ गोलू की कहानी के नए पड़ाव पर कहा कि यह किरदार उनके जीवन और अभिनय के सफर का अहम हिस्सा बन चुका है। शुरुआत में किताबों और पढ़ाई में रुचि रखने वाली शंत लड़की के रूप में नजर आई गोलू समय के साथ मुश्किल हालात, नुकसान और बदले से गुजरते हुए एक मजबूत महिला के रूप में विकसित हुई है। श्वेता ने कहा, गोलू और मैं पिछले कई सालों से साथ हैं और यह सफर मेरे लिए बहुत खास है। उसे निभाते हुए एक कलाकार के तौर पर मैं भी बड़ी हुई हूं। गोलू हमेशा मेरे सफर का एक बेहद अहम हिस्सा रहेगी। उन्होंने कहा कि गोलू के किरदार में अभी बहुत कुछ तलाशना बाकी है। हर बार इस भूमिका में लौटने पर उन्हें उसके व्यक्तित्व के नए पहलुओं को समझने का मौका मिलता है। वह भविष्य में भी गोलू के अलग-अलग पहलुओं को तलाशना चाहेंगी। श्वेता ने कहा कि गोलू का किरदार उनके लिए सिर्फ एक भूमिका नहीं, बल्कि ऐसा सफर है, जिसने उन्हें व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों स्तरों पर प्रभावित किया है। दर्शकों के बीच गोलू की लोकप्रियता और उससे उनका जुड़ाव उनके लिए बेहद मायने रखता है।

हमारी राधा में आत्मनिर्भर बनने की राह पर निकलीं सिमरन कौर

अनमोल टीवी के शो हमारी राधा में राधा अब अपनी जिंदगी नए सिरे से सँवरने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। शो में राधा की भूमिका निभा रहीं सिमरन कौर ने कहा कि यह उनके किरदार की जिंदगी का अहम मोड़ है, जहां वह अपनी शक्तों पर जीना सीख रही है। गंगा माई की बेटीयों की गंगा माई से प्रेरित होकर राधा अपने खाना पकाने के हुनर को कमाई का जरिया बनाकर आत्मनिर्भर बनने की कोशिश करती हैं। सिमरन ने कहा कि गंगा माई और स्नेहा के मार्गदर्शन से राधा समझने लगती है कि किसी रिश्ते से आगे बढ़ना आसान नहीं होता, लेकिन उसे अपने भविष्य पर हावी नहीं होने देना चाहिए। उन्हें उम्मीद है कि राधा की कहानी मुश्किल रिश्तों से निकलकर नई शुरुआत करने वाली महिलाओं को प्रेरित करेगी।

अपने और अपने बच्चे के बेहतर भविष्य के लिए प्रयास कर रही राधा के रास्ते में शनाया लगातार बाधाएं खड़ी कर रही है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि राधा इन चुनौतियों का सामना कर अपनी जिंदगी को नई दिशा दे पाती है या नहीं।



रितेश देशमुख का तेलुगु सिनेमा में डेब्यू, राम पोथिनेनी की फिल्म आरएपीओ23 से जुड़ेंगे

बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं। रितेश,राम पोथिनेनी की फिल्म आरएपीओ23 में अहम भूमिका निभाएंगे। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में चल रही है। फिल्म के निर्माताओं ने रितेश के प्रोजेक्ट से जुड़ने की घोषणा की है। सेट से जारी बिहाईड डेस्क वीडियो में राम पोथिनेनी उनका गर्मजोशी से स्वागत करते और गले लगाते नजर आ रहे हैं। इस झलक ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। आरएपीओ23 के जरिए राम पोथिनेनी निर्देशन के क्षेत्र में भी कदम रख रहे हैं। कृष्णा पोथिनेनी के प्रोडक्शन हाउस रापो सिनेमेटिक्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म नियो-नोयर शैली पर आधारित है।एक विलेन, रेड 2 और राजा शिवाजी जैसी फिल्मों में अभिनय कर चुके रितेश देशमुख अब तेलुगु दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने की तैयारी में हैं। फिल्म में संयुक्ता मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। फिल्म की तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर थिरुनावुकुरासु (तिरु), प्रोडक्शन डिजाइनर एएस प्रकाश और संगीतकार सैम सीएस शामिल हैं। इसके एक्शन दृश्यों की जिम्मेदारी पीटर हेन, विक्रम मोर और केविन संधाल रहे हैं। फिल्म की शूटिंग फिलहाल हैदराबाद में जारी है। रितेश के तेलुगु डेब्यू और राम पोथिनेनी के निर्देशन में पहली बार काम करने के कारण यह फिल्म चर्चा में है।



दबंग दमाहे के कब्जे पर चला प्रशासन का बुलडोजर



रुष्टा से मुक्त कराई 5 एकड़ शासकीय जमीन, सालों से कब्जा था दबंग का

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत रुष्टा में कई वर्षों से सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के मामले में राजस्व विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। मंगलवार, 21 अक्टूबर को प्रशासन ने दलबल के साथ जेसीबी की मदद से करीब 5 एकड़ सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। इस जमीन की अनुमानित कीमत 25 लाख रुपये से अधिक बताई गई है। कार्रवाई के दौरान संबंधित प्रकरण में अधिरोपित 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी जमा

युवक पर किया कुल्हाड़ी से हमला

कटंगी(स्वतंत्र मत)। कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम खोलापुर में एक मामूली सी बात को लेकर खुनी संघर्ष का मामला सामने आया है। यहां एक 40 वर्षीय व्यक्ति ने 22 वर्षीय युवक पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। घायल युवक को गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल कटंगी में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना बाइक नहीं लाकर देने की बात को लेकर हुई है। कोल्हापुर निवासी नंदु पिता चंदन लाल मात्रे, गणेश पिता एंकाप्रसाद बिसेन की

गोराछापर महाआरती में मंत्री मण्डला(स्वतंत्रमत)। ग्राम पंचायत गोरा छापर में आयोजित महाआरती में मध्य प्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपत्तिया उड़के, भाजपा नगर अध्यक्ष नैनपुर राकेश रजक, नगर महामंत्री नितेश कुमार झारिया एवं समस्त ग्रामवासी श्रद्धा और उत्साह के साथ शामिल हुए महाआरती के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से आरती में भाग लेकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि शांति एवं खुशहाली की कामना की।

डॉ. ढाल सिंह बिसेन के राज्यपाल मनोनयन पर सिवनी में हर्ष

भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, परिवारजनों एवं शुभचिंतकों ने सौजन्य भेंट कर दी शुभकामनाएं, व्यक्त किया सम्मान

सिवनी। पूर्व सांसद एवं विधायक डॉ. ढाल सिंह बिसेन को उत्तराखंड का राज्यपाल मनोनीत किए जाने पर सिवनी जिले में हर्ष का माहौल है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने उनसे सौजन्य भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर किया गया। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा *01 सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026* तक कर्तव्य पालन के दौरान वीरगति को प्राप्त *191 पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों (मध्यप्रदेश के 11 सहित)* के नामों का वाचन किया गया। इसके



वहीं, उनके परिवारजनों एवं शुभचिंतकों ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और नए दायित्व के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। डॉ. ढाल सिंह बिसेन

का राजनीतिक एवं संगठनात्मक अनुभव लंबे समय से सार्वजनिक जीवन से जुड़ा रहा है। उनके राज्यपाल पद पर मनोनयन को जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस अवसर पर



भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, परिवारजनों एवं शुभचिंतकों ने उनके अनुभव, जनसेवा और संगठन के प्रति योगदान की सराहना करते हुए इसे सिवनी जिले के लिए सम्मान का



श्रीराम के पहुंचने से पहले ही जला रावण का पुतला, 63 साल में पहली बार टूटी परंपरा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

शहर के 63 साल पुराने दशहरा उत्सव के इतिहास में पहली बार ऐसी घटना सामने आई, जिसने सभी को हैरान कर दिया। 20 अक्टूबर की रात करीब 8:30 बजे दशहरा मैदान में भगवान श्रीराम के पहुंचने से पहले ही रावण का पुतला धू-धू कर जल उठा। आतिशबाजी के दौरान हुई इस घटना के बाद रावण दहन की परंपरा टूटने को लेकर शहर में चर्चाएं शुरू हो गई हैं। लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर पुतले में आग कैसे लगी और आयोजन के दौरान ऐसी चूक कैसे हुई?

परंपरा के अनुसार, बालाघाट में पानीपत की तर्ज पर दशहरा उत्सव मनाया जाता है। हनुमान जी का स्वरूप धारण करने वाले साधक करीब 40 किलो का भारी मुकुट पहनकर शोभायात्रा की अगुवाई करते हैं। इसके बाद भगवान श्रीराम और लक्ष्मण के स्वरूप के साथ शोभायात्रा दशहरा मैदान पहुंचती है। यहां रावण की परिक्रमा के बाद भगवान श्रीराम के बाण से रावण के पुतले का दहन किया जाता है। लेकिन इस बार घटनाक्रम ने पूरी परंपरा को बदल दिया। रावण दहन से पहले मैदान में आतिशबाजी की जा रही थी।

इसी दौरान आतिशबाजी से निकली एक चिंगारी रावण के पुतले में लगे घैरे पर जा गिरी। देखते ही देखते पुतले में आग लग गई और उसमें लगे पटाखे फूटने लगे। कुछ ही देर में भगवान श्रीराम के पहुंचने से पहले ही रावण का पुतला जलकर राख हो गया।

सियासत और बयानबाजी शुरू... घटना के बाद सियासत और प्रशासनिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं, एसडीएम गोपाल सोनी ने कहा कि यह आयोजन समिति से जुड़ा विषय है और समिति ही इस संबंध में बेहतर जानकारी दे सकती है। महावीर सेवादल समिति के प्रतिनिधि अमर गांधी ने स्पष्ट किया कि रावण का पुतला जानबूझकर नहीं जलाया गया, बल्कि आतिशबाजी के दौरान यह हादसा हुआ। उन्होंने इसे व्यवस्था में हुई बड़ी चूक स्वीकार करते हुए भरोसा दिलाया कि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जरूरी सावधानियां बरती जाएंगी। 63 साल पुरानी परंपरा के बीच हुई इस घटना ने दशहरा आयोजन की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर

दिए हैं। अब देखना होगा कि इस चूक की समीक्षा कर भविष्य के आयोजनों में ऐसी स्थिति रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

रावण दहन के दौरान दशहरा मैदान में भगदड़ जैसे हालात... इधर, दशहरा मैदान में रावण दहन के दौरान अचानक अफरा-तफरी मच गई। चल-समाहोह के मैदान में प्रवेश के दौरान भीड़ का दबाव बढ़ने से कई लोग गिर पड़े। इस दौरान वार्ड नंबर-11 बूढ़ी निवासी 12 वर्षीय बालक दिव्यांश कनौबिया को चोट लग गई। पुलिस और प्रशासन की टीम ने तत्काल बालक को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार किया गया। महावीर सेवादल समिति के तत्वावधान में हनुमान जी का चोला धारण किए महाराज चेतन चौर्रे के साथ हनुमान स्वरूप की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और वानर सेना के साथ नगर भ्रमण करते हुए चल समारोह जब दशहरा मैदान पहुंचा, तो प्रबंध द्वार के समीप भीड़ का दबाव बढ़ गया। धक्का-मुक्की के बीच कुछ बच्चे और अन्य लोग गिर पड़े, जिससे मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

कलेक्टर-एसपी ने थोक पटाखा विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का किया आकस्मिक निरीक्षण

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। दीपावली पर्व के मद्देनजर पटाखों के भंडारण एवं विक्रय के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री आदित्य सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य मिश्रा ने बुधवार, 21 अक्टूबर को बालाघाट के बैहर बायपास रोड स्थित थोक पटाखा विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने दुकानों में उपलब्ध सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया तथा पटाखों के सुरक्षित भंडारण और अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर आदित्य सिंह एवं पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा

ने बैहर बायपास रोड स्थित पटाखा एंड पटाखा तथा विजय वाधवानी की पटाखा दुकान का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों प्रतिष्ठानों के लाइसेंस की वैधता और लाइसेंस में निर्धारित शर्तों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। अधिकारियों ने दुकानों में उपलब्ध पटाखों के स्टॉक, भंडारण क्षमता तथा निर्धारित क्षमता के अनुरूप पटाखों के भंडारण की अनुमति से संबंधित जानकारी भी ली। इसके साथ ही, अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए लगाए गए फायर सेफ्टी उपकरणों की उपलब्धता और उनकी कार्यशील स्थिति की जांच की गई, ताकि किसी भी आपात



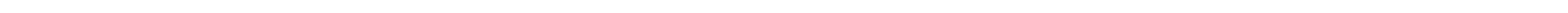
स्थिति में तत्काल सुरक्षा उपाय किए जा सकें। **अग्नि सुरक्षा उपकरण पर्याप्त मात्रा में रखने के निर्देश...** निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने पटाखा दुकानों के

संचालकों को निर्देशित किया कि वे अपने प्रतिष्ठानों में लाइसेंस की सभी शर्तों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पटाखों के भंडारण एवं विक्रय के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी नहीं की जाए और अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए

आवश्यक इंतजाम हमेशा तैयार रखें। कलेक्टर ने दुकानों में रेत से भरी बाल्टियां, पानी तथा अग्निशामक यंत्र पर्याप्त संख्या में उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी अग्नि सुरक्षा उपकरण हर समय कार्यशील स्थिति में होने चाहिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका तत्काल उपयोग किया जा सके। साथ ही, अग्निशामक यंत्रों की वैधता एवं क्रियाशीलता की तिथि पर विशेष ध्यान देने के लिए भी कहा गया।

नियमित अंतराल पर फायर सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश... कलेक्टर श्री सिंह ने दोनों पटाखा दुकान संचालकों को निर्देश दिए कि वे नियमित अंतराल पर थर्ड पार्टी के माध्यम से फायर सेफ्टी ऑडिट कराएं। इससे प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का आकलन किया जा सकेगा और आवश्यक कमियों को समय रहते दूर किया जा सकेगा। उन्होंने पटाखों के भंडारण और विक्रय के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी संभावित अग्नि दुर्घटना को रोकने के लिए निर्धारित सुरक्षा उपायों का गंभीरता से पालन करने पर जोर दिया।

पटाखा विक्रय प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिर्रा, एसडीएम गोपाल सोनी एवं तहसीलदार सुश्री छवि पंत भी उपस्थित थीं। अधिकारियों ने पटाखा दुकानों में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देशों के पालन पर जोर दिया।



रोहित-विराट का चयन उम्र देखकर नहीं: मिथुन

वनडे वर्ल्डकप के लिए फिटनेस-फॉर्म सबसे अहम, गिल को सीनियर्स से मदद मिलेगी

नई दिल्ली	
 बीसीसीआई प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास ने कहा है कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप में विराट कोहली और रोहित शर्मा का चयन उम्र से नहीं होगा। टीम में जगह के लिए दोनों की फिटनेस और प्रदर्शन को आधार बनाया जाएगा। यह टूर्नामेंट अक्टूबर-नवंबर 2027 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होगा। मन्हास ने भारत के न्यूजीलैंड दौरे से पहले स्पोर्ट्सटार को इंटरव्यू दिया। यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा। रोहित-विराट 4 नवंबर से शुरू हो रही 5 वनडे की सीरीज में खेलते दिखेंगे।मिथुन मनहास ने कहा कि वर्ल्ड कप टीम में चयन के लिए दोनों सीनियर बल्लेबाजों का लगातार अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी होगा। मुझे लगता है कि अगर कोई खिलाड़ी फिट है, अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश को जिता रहा है।	 रोहित शर्मा की खराब वनडे फॉर्म के बीच उनके संन्यास की काफी चर्चा हुई थी। हालांकि, लॉर्ड्स में लगाए गए उनके शतक से ये चिंताएं कुछ हद तक दूर हुईं। विराट ने वनडे में अपनी भूमिका का अच्छा फायदा उठाया है। इस फॉर्मेट में उन्होंने बेडमैन जैसा औसत रखते हुए लगातार रन बनाए हैं। मिथुन मन्हास ने यह भी बताया कि रोहित और विराट की मौजूदगी से शुभमन गिल को कप्तानी में मदद मिल सकती है। उन्होंने विराट के एमएस धोनी के मार्गदर्शन में सीखने और धोनी के सौरव गांगुली से मार्गदर्शन लेने का उदाहरण दिया। मनहास ने कहा, द्युभमन पिछले दो या तीन साल से गुजरात टाइटन्स के कप्तान हैं। वे भारत की कप्तानी भी कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वर्ल्ड कप अभियान में यह अनुभव उनके काम आएगा।

लंदन में फाइटस्टार चैंपियनशिप 39 में उतरेंगे संग्राम सिंह

नयी दिल्ली। भारतीय पहलवान से एमएमए फाइटर बने संग्राम सिंह 19 दिसंबर 2026 को लंदन में होने वाली फाइटरस्टार चैंपियनशिप 39 में मुकाबला करेंगे। यह आयोजन लंदन के इंडिगो एट द ओ2 में होगा, जहां संग्राम का सामना माल्टा के बॉलोर्चान से होगा। इस मुकाबले को कॉमनवेल्थ खिताब के लिए होने वाले मुकाबले के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। दो बार कॉमनवेल्थ हेवीवेट कुश्ती चैंपियन रह चुके संग्राम सिंह ने मिक्स्टड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) में भी शानदार शुरुआत की है। वह अब तक अपने चारों पेशेवर मुकाबले जीत चुके हैं। उन्होंने सितंबर 2024 में जॉर्जिया में आयोजित गामा इंटरनेशनल फाइटिंग चैंपियनशिप में पाकिस्तान के अली रज़ा नासिर को महज 90 सेकंड में हराकर एमएमए में पदार्पण किया था। इसके बाद उन्होंने ट्यूनीशिया के हकीम त्राबेल्सी और फ्रांस के फ्लोरियन कूडियर को शिकस्त दी और कुआलालंपुर, मलेशिया में स्ट्राइक एशिया चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। 19 जुलाई 2026 को अपने पिछले मुकाबले में संग्राम ने पाकिस्तान के मोहम्मद आबिद अली को सिर्फ 80 सेकंड में नॉकआउट कर स्ट्राइक एशिया चैंपियनशिप जीती। इस जीत ने अंतरराष्ट्रीय एमएमए सर्फिट पर उनकी स्थिति को और मजबूत किया। आगामी मुकाबले को लेकर संग्राम सिंह ने कहा, उम सिर्फ एक संख्या है। सबसे ज्यादा मायने आपका अनुशासन, समर्पण और खुद को लगातार चुनौती देने का जज्बा रखता है। मुझे खुशी है कि मैं अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा हूँ और एमएमए में अपनी इस यात्रा को आगे बढ़ा रहा हूँ। लंदन का यह मेरा पहला दौरा भी होगा, इसलिए यह अवसर मेरे लिए और खास है।

जियो के आईपीओ को संस्थागत निवेशकों ने लिया हाथों-हाथ

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज की दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म के प्रारंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) में पहले दिन संस्थागत निवेशकों ने जबर्दस्त रूचि दिखाई और शाम पांच बजे तक उनकी तरफ से नौ गुना बोली मिली। बीएसई से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, पहले सात घंटे में शाम पांच बजे तक जियो के आईपीओ के लिए तीन गुना बोली मिली थी। पात्र संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित शेयरों के लिए नौ गुना बोली प्राप्त हुई। गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित शेयरों के लिए 1.56 गुणा बोली मिली। खुराी निजी निवेशकों ने शाम पांच बजे तक 67 प्रतिशत यानी 0.67 गुणा बोली लगाई है। खास बात यह रही कि आईपीओ खुलते ही महज 100 मिनट में शत-प्रतिशत सब्सक्रिप्शन का आंकड़ा पार हो गया। इससे पहले 19 अक्टूबर को एंकर निवेशकों के लिए रखे गए करीब 8,110 करोड़ रुपये के शेयरों के मुकाबले भी 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बोलियां मिली थीं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के पात्र शेयरधारकों के लिए जियो आईपीओ में 2,500 करोड़ रुपये तक के शेयर आरक्षित रखे गए हैं। वहीं, कर्मचारियों के लिए 500 करोड़ रुपये तक का कोटा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के पात्र शेयरधारक खुदरा श्रेणी में भी आवेदन कर सकते हैं। अब तक कर्मचारियों की ओर से 1.29 गुना और पात्र शेयरधारकों से 1.36 गुना बोली मिली है। आईपीओ 23 अक्टूबर को बंद होगा। इसका मूल्य दायरा 1,065 रुपये से 1,119 रुपये रखा गया है। शत-प्रतिशत सब्सक्रिप्शन के साथ ही यह देश का सबसे बड़ा आईपीओ बन गया है।

एसबीआई के कई ग्राहकों के निजी डाटा डार्क वेब पर लीक

नयी दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के कई ग्राहकों के निजी डेटा डार्क वेब पर लीक होने की जानकारी सामने आई है। सार्वजनिक क्षेत्र के देश के सबसे बड़े ऋणदाता ने बुधवार को शेयर बाजार को बताया कि उसके करीब पौने चार लाख ग्राहकों के डाटा उपलब्ध थे जिनमें 3,800 से अधिक खातों के निजी डेटा लीक होने की पुष्टि हो चुकी है। बैंक द्वारा जारी अपडेट के अनुसार, 16 अक्टूबर 2026 को उसे अपने ग्रेट इंटेलिजेंस सर्विस प्रोवाइडर, डिफेंस साइबर एजेंसी और सीईआरटी-इन से एक अलर्ट मिला। इसमें बताया गया था कि बैंक के ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक होने की आशंका है। अपडेट में कहा गया है, डार्क वेब पर मौजूद लगभग 375,000 रिकॉर्ड्स के शुरुआती विश्लेषण के दौरान 3,897 ऐसे ग्राहक रिकॉर्ड मिले जिनमें व्यक्तिगत पहचान स्थापित करने वाली जानकारी शामिल थी। लीक हुई जानकारी में ग्राहकों के पंजीकृत मोबाइल नंबर, जन्म तिथि, नाम, लिंग, ईमेल आईडी, घर के पते, ब्रांच और सीआईएफ आइडेंटिफायर, लीडआईडी, और लोन/लीड रिकॉर्ड से जुड़े मेटाडेटा तथा अन्य संबंधित



फाइलें शामिल थीं। बैंक ने बताया है कि लीक हुए डेटा की सत्यता और पूर्णता की जांच करने, इसके स्रोत और दायरे का पता लगाने, तथा ग्राहकों और बैंक के लिए इससे जुड़े जोखिमों का आंकलन करने के लिए बैंक ने तुरंत अपने साइबर इंसिडेंट रिस्पॉन्स और कंटेनमेंट प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिए। इसके अलावा, सीईआरटी-इन द्वारा मान्यता प्राप्त एक स्वतंत्र साइबर सुरक्षा एजेंसी को काम पर रखा गया, ताकि वे इस घटना का व्यापक आंकलन कर सकें और यह पता लगा सकें कि डेटा किस हद तक और कैसे लीक हुआ है। बैंक ने कहा है कि इस घटना का उसके रोजाना के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ा है तथा वह भविष्य में सुधारात्मक उपाय करने के लिए जांच कर रहा है।

स्वतंत्र मत

जबलपुर

पैरा एशियन गेम्स: भारत के मेडल्स की संख्या हुई 62

बुधवार को 27 मेडल जीते, 5 गोल्ड, 11 सिल्वर और 11 ब्रॉन्ज

नई दिल्ली	
 भारत ने पैरा एशियन गेम्स के तीसरे दिन बुधवार को 27 मेडल जीत लिए हैं। इनमें 5 गोल्ड, 11 सिल्वर और 11 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत के अब 14 गोल्ड समेत कुल 62 मेडल हो गए हैं। इनमें 22 सिल्वर और 26 ब्रॉन्ज शामिल हैं। टीम इंडिया मेडल टैली में पांचवे स्थान पर है।आयुष 8.16 मीटर श्रो के साथ पहले स्थान पर रहे। आयुष का दूसरा मेडल है। वे एक ब्रॉन्ज भी जीत चुके हैं। ईरान के अलीरेजा हेमामी ने 8.09 मीटर श्रो के साथ सिल्वर जीता। कजाकिस्तान के मखाम्बेट सेरिकलीयेव 6.81 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। एफ 53 कैटेगरी उन फोल्ड एथलीट्स के लिए है, जिनके धड़ और पैरों की गतिविधियां प्रभावित होती हैं। खिलाड़ी बैटकर मुकाबला करते हैं। इस कैटेगरी में हाथों की पकड़ पर असर कम होता है। पुरुषों की हाई जंप टी64 स्पर्धा में प्रवीण कुमार ने	

ऑस्ट्रेलिया 99 पर ऑलआउट साउथ अफ्रीका ने दिया फॉलोऑन

मार्को यानसन ने 5 विकेट लिए; स्मिथ के 11 हजार टेस्ट रन पूरे



नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 99 रन पर सिमट गई। पहली पारी में 326 रन की बढ़त हासिल करने के बाद साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को फॉलोऑन दिया। तेज गेंदबाज मार्को यानसन ने 33 रन देकर 5 विकेट लिए। स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा 28 रन बनाए। इस दौरान स्मिथ ने टेस्ट क्रिकेट में 11 हजार रन भी पूरे कर लिए। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले ऑस्ट्रेलिया के तीसरे बल्लेबाज बने।ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। कप्तानो रबाडा ने पहले ओवर की चौथी गेंद पर निक मैडिन्सन को बिना खाता खोले आउट कर दिया। इसके बाद स्कॉट बोलेड 2

कमिंस 10वें शिकार बने स्मिथ ने एक छोर संभाले रखा, लेकिन वियान मुल्डर ने ब्यू वेबस्टर को 13 रन पर एडेन मार्करम के हाथों कैच करा दिया। स्मिथ भी 28 रन बनाकर मुल्डर की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद मिचेल स्टार्क 1 रन बनाकर रबाडा का शिकार बने। आखिरी विकेट के रूप में कप्तान पैट कमिंस 7 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मुल्डर ने ब्रेट्जके के हाथों कैच कराया। हेजलवुड 2 रन बनाकर नाबाद रहे। साउथ अफ्रीका ने मंगलवार को तीसरे दिन 9 विकेट पर 425 रन बनाकर पहली पारी घोषित की। कप्तान टेम्बा बाबुमा ने गकेबरहा में 179 रन की पारी खेली। मार्को यानसन ने 85 रन बनाए। साइमन हार्मर ने 82 रन का योगदान दिया।

उन्हें साइमन हार्मर के हाथों कैच करा दिया। इसके बाद स्टीव स्मिथ और मैट रेनशॉ ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़े। रेनशॉ 12 रन बनाकर यानसन की गेंद पर आउट हुए। अगली ही गेंद पर एलेक्स कैरी बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 65 रन पर 6 विकेट हो गया।



2.05 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 2.02 मीटर के अपने पिछले गेम्स रिकॉर्ड को तोड़ते हुए नया रिकॉर्ड बनाया। बंटी ने 1.92 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर रजत पदक अपने नाम किया। इस कैटेगरी वे पैरा-एथलीट हिस्सा लेते हैं। जो निचले हिस्से (जैसे घुटने के नीचे) में दिव्यांगता के कारण प्रोस्थेसिस (कृत्रिम अंग) का उपयोग करके ट्रैक और फील्ड इवेंट (जैसे ऊंची कूद या लंबी कूद) में भाग लेते हैं।[सचिन खिलारी ने एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों की शॉटपुट एफ46



स्पर्धा में अपना गोल्ड मेडल बरकरार रखा। इसी स्पर्धा में मोहम्मद यासेर ने सिल्वर और परवीन ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत को तीनों पदक दिलाए।20 साल के हनी ने पुरुषों की डिस्कस श्रो एफ 37 फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल जीता। वे आखिरी प्रयास से पहले चौथे स्थान पर थे, लेकिन छठे प्रयास में 57.04 मीटर का अपना पर्सनल बेस्ट श्रो कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। उज्बेकिस्तान के कुदरतिल्लोखोन मारुफखुजाएव ने गोल्ड और पाकिस्तान के हैदर अली ने सिल्वर जीता। शैलेश

कुमार ने पुरुषों के लॉन्ग जंप टी42/टी61/टी63 फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने 5.57 मीटर की छलांग लगाकर टी42 कैटेगरी में गेम्स रिकॉर्ड बनाया। भारत के ही महेंद्र गुर्जर 5.56 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे।[शरथ मकनहल्ली ने पुरुषों की 1500 मीटर टी12/टी13 फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने 4 मिनट 11.01 सेकेंड का समय निकाला। शरथ आखिरी लैप में बहुत पर थे, लेकिन अंतिम मोड़ पर पीछे रह गए। **रोहित कुमार ने र्विगिंग में जीता ब्रॉन्ज-** रोहित ने पुरुषों की 100 मीटर ब्रेस्टस्टोक एसबी4 फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने 1 मिनट 57.25 सेकेंड का समय निकाला। रोहित 50 मीटर के बाद चौथे स्थान पर थे, लेकिन आखिरी हिस्से में शानदार वापसी कर तीसरे स्थान पर पहुंचे। रवि ने पुरुषों की 100 मीटर बैकस्टोक एस 13 फाइनल में सिल्वर मेडल जीता।

अमित मिश्रा बने दिल्ली कैपिटल्स के स्पिन बॉलिंग कोच

नयी दिल्ली, 21 अक्टूबर (वार्ता) अनुभवी स्पिनर अमित मिश्रा स्पिन बॉलिंग कोच के रूप में दिल्ली कैपिटल्स में वापस आ गए हैं। वह पूर्व क्रिकेटरों की उस सूची में शामिल हो गए हैं, जिनमें सौरव गांगुली (हेड कोच), युवराज सिंह (असिस्टेंट कोच) और चर्मिंडा वास (फास्ट बॉलिंग कोच) शामिल हैं। इन सभी को हाल ही में फ्रेंचाइजी के सपोर्ट स्टाफ में किए गए बड़े बदलावों के तहत नियुक्त किया गया है। मिश्रा के पास आईपीएल का काफी अनुभव है। उन्होंने 2008 में टूर्नामेंट के पहले सीजन से लेकर अब तक 16 सीजन में 162 मैच खेले हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत भी इसी फ्रेंचाइजी से की थी – जिसे तब दिल्ली डेयरडेविल्स कहा जाता था – और उन्होंने अपने 10 सीजन इसी टीम के साथ खेले। मिश्रा, जिन्होंने इस टूर्नामेंट में आखिरी बार 2024 में खेला था, के नाम आईपीएल में 174 विकेट हैं, जिसमें एक बार 5 विकेट (5/17) लेना भी शामिल है। उनके नाम एक खास रिकॉर्ड भी है – वह आईपीएल के इतिहास में एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने तीन हैट्रिक ली हैं, और तीनों अलग-अलग टीमों के लिए- 2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स, 2011 में डेक्कन चार्जर्स और 2013 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए। दिलचस्प बात यह है कि उनके साथी सपोर्ट स्टाफ सदस्य, युवराज सिंह (जिन्होंने 2009 में हैट्रिक ली थी), आईपीएल में दो हैट्रिक लेने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। इस बदलाव से डीसी के नए खिलाड़ी, लेफ्ट-आर्म रिस्ट स्पिनर ज़ाशान अंसारी को काफी फायदा मिल सकता है। वह एसआरएच के साथ हुई एक ड्रेड डील के तहत डीसी में आए हैं, जिसके बदले में टी. नटराजन एसआरएच में चले गए।



स्टैंडर्ड चार्टर्ड का एयर इंडिया के साथ करार

बैंक के बड़े ग्राहकों को मिलेगी महाराजा क्लब की प्रीमियम सदस्यता

नयी दिल्ली। सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्टैंडर्ड चार्टर्ड के पात्र भारतीय ग्राहक अब सीधे एयर इंडिया के लायल्टी प्रोग्राम के तहत महाराजा क्लब की प्रीमियम सदस्यता ले सकेंगे। यह सुविधा बैंक के बड़े ग्राहकों के लिए है जो आने वाले कुछ सप्ताह में उपलब्ध होंगी। एयर इंडिया और स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने बुधवार को इस साझेदारी की घोषणा की। एयर इंडिया ने बताया कि इसके जरिए विदेशों में रहने वाले भारतीयों को ऐसी यात्रा सुविधाएं और पहुंच मिलेंगी जो उनकी क्रॉस-बोर्ड जीवनशैली और वित्तीय जरूरतों को पूरा करती हैं। स्टैंडर्ड चार्टर्ड सिंगापुर और यूएई में अपने पात्र चलोबल इंडियनज़ ग्राहकों को एयर इंडिया के महाराजा क्लब का गोल्ड या सिल्वर स्टेटस देगा। एयर इंडिया के महाराजा



क्लब स्टेटस में कई खास यात्रा लाभ मिलते हैं। इनमें अतिरिक्त बैगेज अलाउंस, चेक-इन में प्राथमिकता और बोर्डिंग, एयरपोर्ट लांज तक पहुंच, अपग्रेड वाउचर और बोनस महाराजा पॉइंट्स शामिल हैं। सिल्वर से गोल्ड टियर तक जाने पर ये लाभ और भी बेहतर होते जाते हैं। महाराजा क्लब के गोल्ड सदस्यों को स्टार

एलायंस गोल्ड स्टेटस भी मिलता है। इससे उन्हें दुनिया भर में एक हजार से अधिक एयरपोर्ट लांज तक पहुंच, एयरपोर्ट पर प्राथमिकता वाली सेवाएं, अतिरिक्त बैगेज की सुविधा और एयर इंडिया के अलावा स्टार एलायंस की 25 अन्य सदस्य एयरलाइंस में भी अतिरिक्त सुविधाएं मिलती हैं। एयर इंडिया के जो ग्राहक यूएई या सिंगापुर में स्टैंडर्ड चार्टर्ड के साथ बैंकिंग करते हैं और पात्रता की शर्तों को पूरा करते हैं, उन्हें समर्पित रिलेशनशिप मैनेजमेंट सपोर्ट, बैंक के मुख्य निवेश कार्यालय से बाजार के रुझानों की जानकारी, खास निवेश के निमंत्रण और उनकी ब्रॉस-बोर्ड वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किए गए विशेष वित्तीय समाधान जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

सैंसेक्स 830 अंक चढ़ने के बाद 623 अंक लुढ़का



मजबूत हुआ। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, धातु, ऑटो, वित्त, मीडिया और रियल्टी समूहों के सूचकांकों में एक से दो प्रतिशत की गिरावट रही। एनएसई में जिन 3,698 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,988 के शेयर लाल निशान में और 608 के हरे निशान में रहे। अन्य 102 कंपनियों के

143 अंक की गिरावट में बंद

शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 में से 19 कंपनियों के शेयर नुकसान में रहे। बजाज फाइनेंस का शेयर 3.33 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। इयरनल का शेयर 2.71 फीसदी, टैट का 2.32 फीसदी और एक्सिस बैंक का 2.11 फीसदी टूट गया। एनटीपीसी में 1.99 प्रतिशत, मारुति

सुजुकी में 1.94, इंडिगो में 1.39, कोटक महिंद्रा बैंक में 1.38, बीईएल में 1.29 और बजाज फिनसर्व में 1.05 प्रतिशत की गिरावट रही। टाटा स्टील, टाइटन, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, अडानी पोर्ट्स, एलएंडडी और हिंदुस्तान यूतिलिजर के शेयर भी नुकसान में रहे। वैंक्विन स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 0.85 प्रतिशत की बढ़त में रहा। हांगकांग का हेंग सेंग 0.90 प्रतिशत और चीन का शेनशेई कंपोजिट 0.60 प्रतिशत टूट गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.71 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.05 प्रतिशत ऊपर था।

उमंगों भरी भक्ति

दैनिक स्वतंत्र मत के गरबा महोत्सव

कटनी (ब्यूरो)।

मां जगत जननी जगदम्बे की विशेष आराधना के पवित्र पर्व शारदेय नवरात्र पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 'दैनिक स्वतंत्र मत' समूह कटनी द्वारा देवी भक्ति की आराधना पर आधारित गरबा महोत्सव का शानदार दो दिवसीय आयोजन गरिमामयी माहौल में आयोजित किया गया। राहुल बाग स्थित विशाल ग्राऊण्ड में सुव्यवस्थित एवं सुरक्षात्मक गरबा कार्यक्रम में शहर सहित सभागीय मुख्यालय जबलपुर से कई सामाजिक राजनैतिक प्रशासनिक हस्तियों ने सहभागिता निभायी। 'दैनिक स्वतंत्र मत' द्वारा आयोजित भव्य गरबा उत्सव शहर में विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। इस गरिमामयी और ऐतिहासिक सांस्कृतिक-धार्मिक महाकुंभ ने पूरे माहौल को भक्तिमय और उल्लास से सराबोर कर दिया। आयोजन की सफलता पर समिति ने कटनी की धर्मप्रेमी जनता और प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

डांडिया की खनक से गुंजा पंडाल

गरबा महोत्सव में 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। रंग-बिरंगे राजस्थानी गुजराती पारंपरिक परिधानों, चनिया-चोली और कुर्ती-पाजामा में सजे इन प्रतिभागियों ने जब मां दुर्गा की स्तुति के साथ गरबा पंडाल में कदम रखा, तो पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गुंज उठा। रैत रात तक चले गरबा उत्सव में एक से बढ़कर एक पारंपरिक और आधुनिक गरबा देवी गीत के बीच स्टेप्स पर थिरकते हुए युवाओं

हर क्षेत्र से सराहनीय योगदान

दो दिवसीय स्वतंत्र मत गरबोत्सव में हर क्षेत्र से लोगों ने अपनी सहभागिता के साथ योगदान दिया सुभाष जैन सहित शुभ कुशल मिश्रा, वाणी गट्टानी, हर्षित साहू, शशांक जैन, डीआर तुषार (फिजियोथैरेपिस्ट), राम साहू (प्रार्थना चाहत मोबाइल), रुचि जैन, कुंति खरे, आकाश कर्नौजिया, संतोष गुप्ता चर्दिया वाले, रिचा बाजपेई, शशांक जैन (टिप टॉप स्टूडियो), नरेश सचदेवा (अमर ट्रेडर्स), अंकुर चर्मडिया (सुविधा कलेक्शन), यश श्रेया अग्रवाल (ई एल प्लुटुस), संतोष गुप्ता, खड्डे केसरवानी महिला शक्ति मंडल, फर्निटो, रोहित साहू (ज्ञान शक्ति), सनशाइन, एस जी फोम हाउस, अर्ना सोलर, नीरज गुप्ता (सियाराम क्रेटर्स), मौसम विश्वकर्मा (केआई टी एम), रिचा बाजपेई (वाजपेई ट्यूटोरियल), सुवि (रामराज्य), साध्वी निगम, गुंजन गोयंका एवं समाज के गणमान्य नागरिकों की सहभागिता रही।

देवी आराधना का

पवित्र धार्मिक

आयोजन: विश्व मोहन

वरिष्ठ समाजसेवी एवं हितकारिणी सभा जबलपुर के मंत्री बाबू विश्व मोहन ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कटनी में आयोजित विराट गरबा महोत्सव में एक हजार से अधिक प्रतिभागियों की सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि कटनी नगर व्यवसायिक ही नहीं, धर्म के क्षेत्र में भी श्रेष्ठ है। नवरात्रि पर स्वतंत्र मत कटनी की टीम ने अथक परिश्रम के साथ बेहतरीन आयोजन किया है। देवी आराधना के लिये गरबा पवित्र धार्मिक आयोजन है। उन्होंने कटनी टीम आयोजकों को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर उनके सुपुत्र यशार्थ मोहन भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दूसरे दिन हितकारिणी सभा के उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता (एडवोकेट), स्वतंत्र मत के डायरेक्टर नमन अग्रवाल, प्रबंध संपादक सुबोध दुबे, संपादक राजेंद्र मिश्रा ने समस्त प्रतिभागियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं दी।

और बच्चों ने अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस भव्य सांस्कृतिक महाकुंभ को देखने के लिए शहर और आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में दर्शक पहुंचे।



स्वतंत्र मत का विराट स्वरूप में श्रेष्ठ गरबा: संजय पाठक

स्वतंत्र मत के गरबा महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री एवं विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। श्री पाठक ने समस्त प्रतिभागियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुये कहा कि नवरात्र महापर्व देवी जी की भक्ति का है। राजस्थानी गुजरात की पोशाक में माताओं बहनों की श्रद्धा भक्ति अपार है, छोटी बच्चियां देवी स्वरूप नजर आ रही है। श्री पाठक ने स्वतंत्र मत ब्यूरो चीफ संजय गुप्ता एवं उनकी पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुये कहा कि इन्होंने विराट स्तर पर 'ए' ग्रेड का गरबा आयोजित किया है।

बच्चियां देवी स्वरूप नजर आ रही है। श्री पाठक ने स्वतंत्र मत ब्यूरो चीफ संजय गुप्ता एवं उनकी पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुये कहा कि इन्होंने विराट स्तर पर 'ए' ग्रेड का गरबा आयोजित किया है।



इन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाया

कार्यक्रम को भव्य स्वरूप देने में मुख्य आयोजक व स्वतंत्र मत ब्यूरो प्रमुख संजय गुप्ता, आयोजक इंजीनियर वासुदेवानंद मिश्रा, आयोजक व स्वतंत्र मत प्रतिनिधि विकास गुप्ता, आलोक सोनी, इवेंट प्लानर मेहुल मितल और फोटोग्राफी पार्टनर रवि राय की सराहनीय भूमिका रही। पूरी टीम ने पधारे सभी अतिथियों, दर्शकों और प्रतिभागियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन अंकुर दुबे एवं संजय शर्मा द्वारा किया गया। मुख्य आयोजक संजय गुप्ता एवं विकास गुप्ता ने संयुक्त संदेश में कहा, 16 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित गरबा उत्सव में सभी सहभागी बंधुओं माताओं बहनों ने जो अभूतपूर्व सहयोग दिया, उसके लिए हृदय से आभारी हूँ तथा आयोजन में यदि गलती से किसी की भावनाएं आहत हुईं हो तो आयोजन टीम क्षमाप्रार्थी है। समिति ने नगर प्रशासन, पुलिस बल और नगर की धर्मप्रेमी जनता के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।



इनकी रही उपस्थिति

स्वतंत्र मत के गरबा महोत्सव में पूर्व मंत्री व विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक, भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक टंडन, पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव, वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्योगपति प्रवीण बजाज (पप्पू भैया), राहुल बजाज, मेधा बजाज, उद्योगपति एवं समाजसेवी सुभाष जैन, शुभम जैन, आशीष सोनी व अभिषेक सोनी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अमित शुक्ला, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष प्रियदर्शन गौर, संजय त्रिपाठी, अमित कनकने, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सपना अभिनंदन सरावगी, कांग्रेस महिला मोर्चा अध्यक्ष रजनी वर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा, जिला महामंत्री युवा मोर्चा देवांश श्रीवास्तव, मधुआरे समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्याम निषाद, गवर्नर्स अधिकारी सौरभ नामदेव, स्थानीय तहसीलदार, जेके व्हाइट के एचआर हेड प्रवीण सिंह व दीपक सिंह, अवध पांडे, पत्रकार आशीष सोनी विवेक शुक्ला, रोहित अशोक वर्मा, विकास बर्मन, आशीष रैकवार, भवानी तिवारी, रोहित सेन, तपन निषाद, राजकुमार सोनी, अंशुल गुप्ता, राहुल (पहेली गुपु), मनीष गई, प्रेम बत्रा, मनोज वर्मा, कैलाश पाठक, डीआईसी सिक्कीरिटी डायरेक्टर दीपेंद्र मिश्रा, सुदर्शना क्लब संस्थापक मीना भार्गव, कुंडली विशेषज्ञ राजेश पाठक चिकित्सा जगत से डॉ. मनीष गट्टानी, डॉ. सुषमा गट्टानी, डॉ. कमल लहरिया, डॉ. राजेंद्र गुप्ता एवं डॉ. वंदना गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कैमोर में ऐतिहासिक दशहरा उत्सव

विधायक संजय पाठक ने किया रावण दहन

अहंकार के अंत और सत्य की विजय का संदेश बना दशहरा, एसीसी अडानी सीमेंट प्लांट परिसर में उमड़ा जनसैलाब



कटनी (स्वतंत्रमत)

कैमोर औद्योगिक नगरी कैमोर स्थित एसीसी अडानी सीमेंट प्लांट परिसर में 20 अक्टूबर को विजयादशमी का पर्व आस्था उल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित दशहरा उत्सव में हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं नगरवासी उमड़े। श्रीराम की मर्यादा सत्य और धर्म की विजय के प्रतीक इस आयोजन ने उपस्थित जनसमुदाय को भावविभोर कर दिया। दशहरा उत्सव के अवसर पर रामलीला कमेटी एसीसी अडानी सीमेंट प्लांट के अधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक रामलीला मंच पर पहुंचे। उन्होंने मंच पर विराजमान श्रीराम दरबार की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूजन के उपरंत विधायक संजय



पाठक ने भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र और रामायण के संदेश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रावण दहन केवल एक पुतले का दहन नहीं बल्कि हमारे भीतर मौजूद अहंकार बुराई और नकारात्मकता के अंत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मनुष्य जैसा कर्म करता है उसे वैसा ही फल प्राप्त होता है। विरोध और वर्चस्व की लड़ाई में ईसान को इतना अंधा नहीं होना चाहिए कि अंततः वही उसके विनाश का कारण बन जाए। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने रावण को बार-बार समझने और अपनी भूल सुधारने के अवसर दिए लेकिन अहंकार में डूबे रावण ने सत्य और धर्म का मार्ग स्वीकार नहीं किया। अंततः उसका अहंकार ही उसके विनाश का कारण बना। रावण ने सत्ता और वर्चस्व के साथ अपने साम्राज्य का विस्तार किया लेकिन उसके कर्मों का अंतिम परिणाम विनाश के रूप में सामने आया। यही विजयादशमी का सबसे बड़ा संदेश है कि अधर्म कितना भी शक्तिशाली दिखाई दे अंततः

विजय सत्य और धर्म की ही होती है। रामकथा के इस प्रेरणादायी संदेश के पश्चात विधायक संजय पाठक ने इलेक्ट्रॉनिक तीर चलाकर विशाल रावण के पुतले का दहन किया। जैसे ही रावण का पुतला धू-धू कर जल उठा पूरा परिसर जय श्रीराम के जयघोष से गुंज उठा। आतिशबाजी की रंग-बिरंगी रोशनी से आसमान जगमगा उठा और उपस्थित जनसमुदाय ने इस अद्भुत दृश्य का आनंद लिया।

भव्य आतिशबाजी ने बांधा समां

रावण दहन के साथ एसीसी अडानी सीमेंट प्लांट एवं रामलीला कमेटी द्वारा भव्य आतिशबाजी की गई। आसमान में बिखरी आतिशबाजी की रोशनी और गूंजी पटाखों की आवाज ने दशहरा उत्सव को यादगार बना दिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई इस मनमोहक दृश्य को देखने के लिए उत्साहित नजर आया। आयोजन में कैमोर नगर परिषद अध्यक्ष पलक नमोत ग्रीवर, थाना प्रभारी आशिष शर्मा, उपाध्यक्ष संतोष केवट सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक-पुलिस अधिकारियों ने सहभागिता निभाई। आयोजन को व्यवस्थित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा विद्युत व्यवस्था साफ-सफाई तथा यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया। व्यवस्था और सुरक्षा में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका दशहरा एवं रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग आयोजन स्थल पर पहुंचे। पुलिस बल ने पूरी मुस्तैदी के साथ व्यवस्था संभाली और श्रद्धालुओं को शांतिपूर्ण वातावरण में कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर दिया।

महापौर प्रीति सूरि के नेतृत्व में रामकृष्ण परमहंस वार्ड को मिली 55.61 लाख के विकास कार्यों की सौगात

कटनी (स्वतंत्रमत)। जनता से किए वादों को धरातल पर उतारते हुए नगर विकास को गति देने की दिशा में महापौर प्रीति संजीव सूरि के नेतृत्व में निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में रामकृष्ण परमहंस वार्ड में नागरिकों की आवश्यकताओं एवं मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए शुक्रवार को लगभग 55 लाख 61 हजार रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन महापौर सूरि, क्षेत्रीय पार्षद शकुंतला सोनी सहित जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कन्याओं के शुभ हस्तों से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान एमआईसी सदस्य सर्व श्री सुरेंद्र गुप्ता, महिला मोर्चा अध्यक्ष सपना सरावगी, पार्षद वंदना यादव, रेखा तिवारी, एल्डरमैन नरेश अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष कैशलेशा मिश्रा सहित मातृशक्तियों की मौजूदगी रही। भूमिपूजन के अंतर्गत मंगलनगर में पुलिया के पास लगभग 20 लाख 49 हजार रुपये की लागत से नाली निर्माण कराया जाएगा। इससे क्षेत्र की आंतरिक मार्गों की स्थिति में सुधार होगा तथा नागरिकों को दैनिक आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। भूमिपूजन के



रुपये की लागत से सीसी रोड का निर्माण किया जाएगा, जिससे स्थानीय नागरिकों को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। इसी प्रकार मस्जिद के पास विभिन्न स्थानों पर लगभग 5 लाख 33 हजार रुपये की लागत से डब्ल्यू.बी.एम. रोड का निर्माण किया जाएगा। इन कार्यों से वार्ड के आंतरिक मार्गों की स्थिति में सुधार होगा तथा नागरिकों को दैनिक आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। भूमिपूजन के

ऐतिहासिक अवसर पर जनता को संबोधित करते हुए महापौर ने अपनी विकासवादी सोच को दोहराया। उन्होंने कहा कटनी का हर एक नागरिक मेरा परिवार है। हमारा उद्देश्य राजनीति करना नहीं, बल्कि जनता की मूलभूत आवश्यकताओं सड़क, नाली, पानी को उनके दरवाजे तक पहुंचाना है। नगर के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। वे हर वर्ग और हर क्षेत्र के समग्र उत्थान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद शकुंतला सोनी ने महापौर की त्वरित कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि महापौर के नेतृत्व में वार्ड को विकास की नई संजीवनी मिली है।

प्रदेश में बनाए जाएंगे सांदीपनि स्कूलों के 400 नए भवन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

स्कूल शिक्षा विभाग में 20 हजार पदों पर जल्द होगी भर्ती, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदान किए अनुकम्पा नियुक्ति पत्र

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज स्कूल शिक्षा विभाग के 954 अनुकम्पा नियुक्ति प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। अनुकंपा नियुक्ति के जो 300 प्रकरण शेष हैं, उनका निराकरण भी इसी वर्ष किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतीक स्वरूप 11 कर्मचारियों को अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की यह संवेदनशील पहल, पात्र परिवारों को शासकीय सेवा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 369 सांदीपनि विद्यालय संचालित हैं। राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत 200 नए सांदीपनि विद्यालयों के भवन स्कूल शिक्षा और 200 नए सांदीपनि स्कूलों के भवन जनजातीय कल्याण विभाग द्वारा बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रवीन्द्र भवन में बुधवार को स्कूल शिक्षा विभाग के अनुकम्पा नियुक्ति आदेश वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर



कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का आरंभ वंदे मातरम् के गान से हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने पौधा भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे अधिकारियों को सम्मानित भी किया।

व्यवस्थाओं और भावनाओं का तालमेल करते हुए करें अपने कर्तव्यों का निर्वहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासकीय नौकरी करते हुए किसी का असमय दुनिया से चले जाना, परिवार के लिए कष्टकारी होता है। परिवार के सदस्य की कमी के साथ आर्थिक संसाधन भी बाधित हो जाते हैं। यह एक प्रकार से परिवार के ऊपर दुखों के पहाड़ टूटने जैसा है। मुश्किल हालात से गुजर रहे ऐसे परिवार, राज्य सरकार

के परिवार के हिस्से की तरह है। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत करना सभी के लिए प्रेरणा पुंज की तरह काम करेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि यही समय है, सही समय है इस वाक्य से प्रेरणा लेकर व्यवस्थाओं और भावनाओं का तालमेल करते हुए अपने कर्तव्यों का सही तरीके से निर्वहन करें।

प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए स्कूल शिक्षा विभाग की हुई सराहना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो दुनिया से चले गए, उसका सभी को दुख है, लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग ने अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण कर सराहनीय कार्य किया है। स्कूल शिक्षा विभाग की यह पहल अन्य विभागों के लिए अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने कहा कि परिवार में आर्थिक रूप से सुख संपन्नता हो, तभी आनंद से त्यौहार मनता है। राज्य सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता को समय-सीमा में पूर्ण करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि आज जिन्हें नियुक्ति दी गई है, उनमें 661 सहायक ग्रेड-3, 31 प्राथमिक शिक्षक और 262 चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी हैं। स्कूल शिक्षा विभाग, वरिष्ठ अधिकारी से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों तक बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए समर्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि अनुकम्पा नियुक्ति प्राप्त करने वाले सभी कर्मचारी अपने कर्तव्यों को पूरी जिम्मेदारी से निभाएंगे।

38 हजार करोड़ रूपए हुआ स्कूल शिक्षा विभाग का बजट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में

शासकीय सांदीपनि विद्यालय क्रांतिकारी परिवर्तन लेकर आए हैं। प्रदेश में वर्ष 2002-03 तक स्कूल शिक्षा का बजट लगभग 400 करोड़ रूपए था, लेकिन आज राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप यह बजट 38 हजार करोड़ रूपए तक पहुंचा है। स्कूलों में अधोसंरचनात्मक विकास के साथ, आधुनिक लैब, खेल गतिविधियां सहित उच्च गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अनुकम्पा नियुक्ति प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी भी भविष्य में निकलने वाली शासकीय भर्तियों में शामिल हो सकते हैं। राज्य सरकार ने अब तक 85 हजार से अधिक शासकीय पदों पर युवाओं को नौकरी प्रदान की है। इनमें 15 हजार पद स्कूल शिक्षा के थे, अब 20 हजार पदों पर भर्ती शुरू होने वाली है। प्रदेश में 1 लाख से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ

दिया गया, इससे विभागों में पद रिक्त हुए, जिन्हें भरने की प्रक्रिया जारी है। कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए हर वर्ष डीपीसी भी निरंतर होगी।

1 लाख 35 हजार से अधिक लैपटॉप वितरित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्कूल से पढ़ाई कर निकलने वाले बच्चों को नोट की तैयारी के लिए सहायता प्रदान की जा रही है। प्रदेश सरकार ने मेधावी विद्यार्थियों को 1 लाख 35 हजार से अधिक लैपटॉप वितरित किए हैं। बोर्ड परीक्षाओं में स्कूल टॉपर बच्चों को स्कूटी की सौगत भी मिली है। कई बच्चों ने लैपटॉप और स्कूटी दोनों के पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

आशीर्वाद की तरह है दिवंगत कर्मचारियों के परिजन के लिए अनुकम्पा नियुक्ति

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रतिदिन श्रेष्ठतम कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरगामी सोच के बिना अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान करने का यह कार्य संभव नहीं था। यह अनुकम्पा नियुक्ति एक प्रकार से दिवंगत कर्मचारियों के परिजन के लिए आशीर्वाद की तरह है।



चोरईया के शहीद स्मारक पर पुलिस ने दी श्रद्धांजलि

हटा (स्वतंत्र मत)। पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर मड़ियादो थाना क्षेत्र की चोरईया चौकी अंतर्गत ग्राम चोरईया स्थित शहीद स्मारक पर पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने परेड सलामी देकर शोक शस्त्र की रस्म निभाई और वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर हटा एसडीओपी कुष्णपाल सिंह, मड़ियादो थाना प्रभारी प्रीति पांडे सहित पुलिस बल शहीद स्मारक स्थल पर पहुंचा। अधिकारियों एवं जवानों ने स्मारक पर माल्यार्पण कर शहीदों को नमन किया और उनके बलिदान का स्मरण किया। गौरतलब है कि 20 दिसंबर 1966 को चोरईया में डीएसपी कुष्णमित्र चतुर्वेदी, दरोगा बाबू सिंह कुशवाहा और मुखबिर हजरत बहना डिकेत गिरोह मूरत सिंह के हाथों वीरगति को प्राप्त हुए थे। उनकी स्मृति में स्थापित शहीद स्मारक पर पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

तेज रफ्तार ट्रक ने विसर्जन को जा रहे चार श्रद्धालुओं को कुचला दमोह (स्वतंत्र मत)। दमोह में तेज रफ्तार ट्रक ने पैदल माता विसर्जन करने जा रहे तीन श्रद्धालुओं को कुचल दिया। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए दमोह जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों की पहचान लक्ष्मी रोहित, डालचंद पटेल, दीपा गुप्ता, पुनीत ट्रक चालक शराबी निवासी न्यू दमोह के रूप में हुई है। सूचना पर चौकी प्रभारी प्रियंका पटेल, सोनाली जैन और कोतवाली थाना प्रभारी पहुंचे।

ज्वेलर्स की दुकान से 5 जोड़ी चांदी की पायल चोरी

संदिग्ध महिला हिरासत में, सीसीटीवी में रिकार्ड हुई घटना

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के सुभाष वार्ड स्थित ओम ज्वेलर्स की दुकान से पांच जोड़ी चांदी की पायल चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना 19 अक्टूबर को दोपहर करीब 1:30 बजे की है। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में संदिग्ध महिलाओं की गतिविधियां कैद हुई हैं। मामले में पुलिस ने एक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। दुकान संचालक के अनुसारए दोपहर में चार-पांच महिलाएं चांदी की बिछिया और पायल देखने पहुंची थीं। इनमें से दो महिलाओं ने बिछिया खरीदी, जबकि अन्य महिलाएं पायल देखने लगीं। महिलाओं के जाने के बाद पांच जोड़ी फैन्सी चांदी की पायल गायब मिली। इनका वजन करीब 300 ग्राम और कीमत 25



से 30 हजार रुपए बताई गई है। संचालक ने परिजनों के साथ तलाश करने के बाद पुलिस को शिकायत दी। नगर में इससे पहले भी एक सराफा व्यापारी की दुकान से कुछ महिलाएं सोने के जेवर चोरी कर ले गई थीं। उनकी गतिविधियां भी सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थीं लेकिन व्यापारी के अनुसार पुलिस अब तक उन महिलाओं को पकड़ने में सफल नहीं हो सकी है। अब एक बार फिर सराफा दुकान में चोरी की घटना से व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है।

विजयादशमी चल समारोह का आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)।

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी अग्रवाल जन जागरण समाज कल्याण समिति गणेश फैंस क्लब श्री वर्ल्ड बॉस हनुमत सेवा समिति द्वारा दमोह शहर की देवी प्रतिमा एवं अखाड़ों का बक्कौली चौराहे पर पूर्वजों को समर्पित विजयादशमी चल समारोह के आयोजन में स्मृति चिन्ह और मेडल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के मंत्री लखन पटेल, पूर्व विधायक अजय टंडन, भाजपा नेता सिद्धार्थ



मलैया, जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष रतनचंद्र जैन, वीरेंद्र दवे सहित समिति के साथ-साथ बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज के महिला पुरुष एवं बच्चों की उपस्थिति रही वहीं समिति के मंच के समीप विशाल पोहा भंडारा जो शाम 6 बजे से अनवरत रात 2 बजे तक जारी रहा भंडारे का आयोजन। कार्यक्रम में अग्रवाल परिवारों द्वारा अपने पूर्वजों की स्मृति में चल समारोह का आयोजन किया गया। संचालन समिति के विकास अग्रवाल, राजबहादुर अग्रवाल द्वारा किया गया।

अधीक्षण अभियंता-दमोह ने किया हिण्डोरिया क्षेत्र का औचक भ्रमण

दमोह (स्वतंत्र मत)। अधीक्षण अभियंता दमोह ने कार्यपालन अभियंता दक्षिण संभाग दमोह के साथ संयुक्त रूप से हिण्डोरिया वितरण केन्द्र का औचक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उनके द्वारा सर्वप्रथम आमखेड़ा में चल रहे पंप कनेक्शनों की जांच की गई तथा रबी सीजन प्रारंभ होने के बाद भी विवरण केन्द्र अंतर्गत अस्थायी पंप कनेक्शनों की प्रगति संतोषजनक नहीं पाये जाने पर प्रभारी कनिष्ठ अभियंता हिण्डोरिया को फील्ड में सचन भ्रमण करते हुएए कनेक्शनों की भौतिक जांच करने तथा अस्थायी पंप कनेक्शनों की प्रगति बढ़ाने के सख्त निर्देश दिये गये। इसके साथ ही वितरण केन्द्र प्रभारी को एजी पंप बकायादारों से वसूली हेतु प्रभावी कार्यवाही करने तथा लोड चैक करने के भी निर्देश दिए गए। संपूर्ण दमोह जिले के



साथ-साथ दमोह शहर में भी दशहरा चल समारोह सुचारु विद्युत प्रदाय के साथ निर्विघ्न संपन्न हुआ। इस हेतु पूर्व में ही अधीक्षण अभियंता दमोह द्वारा जिले के समस्त वितरण केन्द्र प्रभारियों की बैठक लेकर सुचारु विद्युत प्रदाय के निर्देश दिए गए थे। साथ ही अधीक्षण अभियंता दमोह द्वारा कार्यपालन अभियंता, दक्षिण संभाग दमोह के साथ दमोह शहर के दुर्गा विसर्जन स्थल फुटेरा



मुख्यमंत्री आज मुंबई में इंडिया केम 2026 के उद्घाटन सत्र में होंगे शामिल

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज गुरुवार, 22 अक्टूबर को मुंबई में होने वाले तीन दिवसीय इंडिया केम 2026 के उद्घाटन सत्र में शामिल होंगे। भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय तथा फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्री) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 14वें द्विवार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी में रसायन और पेट्रोकेमिकल उद्योग से जुड़े प्रमुख उद्योगपति, निवेशक, विशेषज्ञ और नीति निर्माता शामिल होंगे। इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ओडिशा, गुजरात और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस सेक्टर में मध्यप्रदेश में उपलब्ध निवेश के अवसरों अधोसंरचना एवं राज्य की नीति को निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों से साझा करेंगे।

पहले दिन वैश्विक उद्योग जगत के साथ होगा कारोबारी संवाद इंडिया केम-2026 के पहले दिन उद्घाटन सत्र के बाद प्रदर्शनी का अवलोकन, मुख्य कार्यपालक अधिकारियों का फोरम और कारोबारी नेटवर्किंग के कार्यक्रम होंगे। सम्मेलन में भारत-अमेरिका, भारत-जापान तथा भारत-यूरोपीय संघ के रसायन एवं पेट्रोकेमिकल फोरम आयोजित किए जाएंगे। इन मंचों पर विभिन्न देशों के उद्योग प्रतिनिधियों के बीच व्यापार, औद्योगिक सहयोग और निवेश की संभावनाओं से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी। पहले दिन रसायन एवं पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले उद्योगों को पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

विशेष रसायन से लेकर औद्योगिक अधोसंरचना तक पर चर्चा सम्मेलन के दूसरे दिन, 23 अक्टूबर को विशेष रसायन, पेट्रोकेमिकल, रसायन एवं पेट्रोकेमिकल उद्योग के लिए अधोसंरचना, पर्यावरणीय विषयों, संयंत्र एवं मशीनरी, पंप और वाल्व तथा कृषि रसायन पर केंद्रित परिचर्चाएं होंगी। इन सत्रों में उद्योगों की जरूरतों, उत्पादन प्रक्रियाओं, तकनीकी सुधार और पर्यावरण संबंधी चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। तीसरे दिन, 24 अक्टूबर को भी प्रदर्शनी जारी रहेगी। तीनों दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को क्षेत्र की नई संभावनाओं और व्यावसायिक सहयोग के अवसरों पर संवाद का अवसर मिलेगा।

राज्य स्तरीय बालिका

क्रिकेट में लगातार तीसरे

वर्ष अधिनी पटेल का चयन

दमोह (स्वतंत्र मत)। शासकीय नवीन माध्यमिक विद्यालय सनकुइया ने खेल जगत में अपनी उपलब्धियों की निरंतरता बनाए रखते हुए एक बार फिर गौरव हासिल किया है। विद्यालय की छात्रा अधिनी पटेल का राज्य स्तरीय बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। अधिनी राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए कल शिवपुरी रवाना होंगी। विद्यालय के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि लगातार तीसरे वर्ष विद्यालय की छात्राओं ने राज्य स्तरीय बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित किया है। मार्गदर्शी शिक्षक मनोज नामदेव के निर्देशन में छात्राएं खेल गतिविधियों में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने और जिला स्तर से आगे बढ़कर राज्य स्तर पर अपनी पहचान बनाने के अवसर मिल रहे हैं।

नाम सुधार सूचना	
मैं महेश चंद पिता स्व. मूलचंद, उम्र 68 वर्ष, निवासी-किछियाना मोहल्ला, द्वारका नगर कांवेघर, जिला जबलपुर म.प्र. की शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि यह कि मैं उपरोक्त पते पर निवासरत हूँ। यह कि मेरे पूर्व में बने राशन कार्ड एवं अन्य कुछ दस्तावेजों मे मेरा घर का चालू नाम रमेश चन्द्र पिता स्व. मूलचंद दर्ज पिता स्व. मूलचंद दर्ज चला आ रहा है। यह कि मेरे मरवदाता परिचय पत्र, सम्पदा आई.डी. व समस्त शासकीय, अर्धशासकीय दस्तावेजों मे मेरा नाम महेश चंद पिता स्व. मूलचंद दर्ज चला आ रहा है। यह कि मेरा नाम महेश चंद पिता स्व. मूलचंद के नाम से जाना पहचाना, पढा एवं लिखा जावेगा।	
पुराना नाम- रमेश चन्द्र	
पिता स्व. मूल चंद	
Ramesh chand	
S/o Late Moolchand	
नया नाम महेश चंद	
पिता स्व. मूलचंद	
Maresh chand	
S/o Late Moolchand	

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.) प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना					
निविदा सूचना क्र./उ. वि. 2026-27/ PRO - 687 निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत डेक्कदारों से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।			Date 21/10/2026		
क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2	3	4	5	6
1.	2026. UAD -541637_1	संभाग क्रमांक-12 महर्षि अरविंद वाई अंतर्गत बेलावाग टोलिया पार्क का सौंदर्यीकरण कार्य	04 Month 21,37,206=00	5,000=00 16,100=00	25/11/2026
नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।					उद्यान अधिकारी नगर पालिक निगम जबलपुर

60.60 लाख का गबन का मामला, 2 पूर्व सीएमएचओ सहित 6 पर एफआईआर

जबलपुर ईओडब्ल्यू की कार्यवाही, डिंडौरी जिले के स्वास्थ्य विभाग का मामला



प्रविष्टियों और वेंडर को दोहरा भुगतान करने जैसी गड़बड़ियाँ की गईं। ईओडब्ल्यू के मुताबिक, इन अनियमितताओं से शासन को कुल 60.60 लाख रुपए की आर्थिक क्षति पहुंचने की बात सामने आई है। इस मामले में ईओडब्ल्यू एसपी अनिल विश्वकर्मा ने बताया कि आरोपी स्वास्थ्य विभाग के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय की लेखा शाखा में क्रिएटर, वेरिफायर और अफ़वर के रूप में काम कर रहे थे। आरोप है कि आईएफएमआईएस पोर्टल पर एरियर की गलत गणना के पत्रक तैयार किए गए और बिना पात्रता तथा वैधानिक आधार के अधिक राशि के भुगतान दर्ज किए गए।

जबलपुर (स्वतंत्र मत)	सत्यापन के बिना की प्रविष्टियाँ	नियमों की अनदेखी कर किया स्वीकृत
जबलपुर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने शुरुआती जांच के बाद दो पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों समेत 6 अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जांच में सामने आया कि वर्ष 2016 से 2025 के बीच आईएफएमआईएस पोर्टल पर एरियर की गलत गणना, पात्रता से अधिक भुगतान, फर्जी	जांच में यह भी सामने आया कि कार्यालयीन रिकॉर्ड की जांच और मैनुअल गणना पत्रकों के सत्यापन में अधिक राशि की प्रविष्टियाँ की गईं। पहले मैनुअल तरीके से भुगतान किए जा चुके एरियर की राशि को आईएफएमआईएस पोर्टल पर नेगेटिव प्रविष्टि के जरिए समायोजित करने के बजाय कथित तौर पर गलत भुगतान किया गया। इस तरीके से एरियर के मद में 49.89 लाख रुपए के अवैध भुगतान का मामला सामने आया है। जांच के अनुसार, बिना वैधानिक आदेश के मद परिवर्तन कर नॉन-प्रेक्टिसिंग अलाउंस और गृह भाड़ा भत्ते के रूप में 5.89 लाख रुपए का अतिरिक्त भुगतान किया गया। इसके अलावा वेंडर को दी जाने वाली राशि में भी दोहरे और गलत भुगतान की गड़बड़ी सामने आई।	ईओडब्ल्यू का आरोप है कि भुगतान के बिलों को पात्रता नियमों की अनदेखी करते हुए डिजिटल हस्ताक्षर से स्वीकृत किया गया। इसके बाद सरकारी राशि लाभार्थियों और संदिग्ध बैंक खातों में ट्रॉंसफर हुई। जांच एजेंसी का कहना है कि आरोपियों ने कथित आपराधिक साजिश के तहत अपनी आधिकारिक स्थिति का दुरुपयोग कर स्वयं या अन्य लोगों को अनुचित आर्थिक लाभ पहुंचाया और सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाया। ईओडब्ल्यू ने आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

त्रिपुर सुंदरी मंदिर में स्थित कई दुकानों में लगी भीषण आग



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। तेवर स्थित प्रसिद्ध त्रिपुर सुंदरी मंदिर परिसर के पास मंगलवार रात 8 से 10 दुकानों में भीषण आग लग गई। जानकारी के मुताबिक, आग एक दुकान से शुरू होकर आसपास की दुकानों तक फैल गई। इधर सूचना मिलते ही पुलिस और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। दमकल की गाड़ियों ने मशक़त के बाद आग पर काबू पा लिया। राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। इस घटना के संबंध में सीएसपी अंजुल अर्यक मिश्रा ने बताया कि शुरुआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और लोगों को घटनास्थल से दूर कर भीड़ को नियंत्रित किया। नगर निगम की टीम को भी तत्काल सूचना दी गई। आग से दुकानों में कितना नुकसान हुआ, इसका आकलन किया जा रहा है। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई गई है, लेकिन आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

बैंकों ने निरस्त किए कई स्वरोजगार योजनाओं के आवेदन, कलेक्टर ने जताई नाराजगी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के निराकरण और जिले की रैंकिंग में सुधार के लिए कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा ने बुधवार सुबह 9 बजे से अधिकारियों के साथ समीक्षा की। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित शिकायतों के निराकरण के लिए गंभीरता से प्रयास करें और निराकरण में प्रगति लायें। कुछ अधिकारियों ने बताया कि ग्रेडिंग माह और 50 दिवस की शिकायतों का निराकरण किया गया है। इसी के साथ 24 दिवस के अलावा उन्होंने कार्यालयीन प्रबंधन एवं 25 अक्टूबर को आयोजित होने वाले नर्मदा महोत्सव की तैयारियों को लेकर



बुधवार को बैठक की। बैठक में उन्होंने पुलिस, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य, करें और निराकरण में प्रगति लायें। कुछ अधिकारियों ने बताया कि ग्रेडिंग माह और 50 दिवस की शिकायतों का निराकरण किया गया है। इसी के साथ 24 दिवस के अलावा उन्होंने कार्यालयीन प्रबंधन एवं 25 अक्टूबर को आयोजित होने वाले नर्मदा महोत्सव की तैयारियों को लेकर

पूर्णतः व्यवस्थित रूप से होना चाहिए और टीप लिखते समय किसी भी प्रकार की भ्रम की स्थिति नहीं रहनी चाहिए, साथ ही भाषा में व्याकरण संबंधी त्रुटियाँ भी न हों। जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में स्वरोजगार एवं हितग्राहीमूलक योजनाओं की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं होने और बैंकों द्वारा बड़ी संख्या में आवेदन निरस्त या वापस किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने आवेदनों की संख्या बढ़ाने, निरस्त प्रकरणों की पुनः समीक्षा करने तथा बैंक स्तर पर लंबित आवेदनों का प्रार्थमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए।

प्राणों की आहुति देने वाले पुलिसकर्मियों को दी गई श्रद्धांजलि
जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांछी स्थित 6वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) के शहीद स्मारक परिसर में बुधवार को 67वां पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शोक परेड आयोजित की गई। इसमें कर्तव्य निभाते हुए प्राणों की आहुति देने वाले पुलिसकर्मियों को याद किया गया। सुरक्षा बलों के जवानों और अधिकारियों ने मौन धारण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जोन प्रमोद वर्मा ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान वर्ष 2025-26 में शहीद हुए देशभर के 154 पुलिसकर्मियों के नामों का वाचन किया गया।



भव्यता के साथ निकला संस्कृति परंपरा और जन-आस्था का महासंगम

मुख्य दशहरा चल समारोह में विविध झांकियां बनी आर्कषण का केंद्र

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

संस्कारधानी का मुख्य दशहरा चल समारोह मंगलवार को बड़ी धूमधाम से निकाला गया। समारोह कई तरह की झांकियों, मां दुर्गा की प्रतिमाओं ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। मुख्य दशहरा चल समारोह नगर निगम चौक से प्रारंभ होकर मालवीय चौक, बड़ा फव्वारा, कोतवाली, मिलीनीगंज होते हुए हनुमानताल पर पहुंचा। जहां पर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। जानकारी के अनुसार यह भव्य चल समारोह लगभग 150-160 वर्ष पुरानी गोविंदगंज रामलीला समिति के नेतृत्व में भगवान श्री राम के विजय जुलूस तथा विभिन्न धार्मिक-सांमाजिक संदेशात्मक झांकियों की अगवानी से प्रारंभ होता है। चल समारोह के दौरान मंत्री राकेश सिंह, कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू आदि उपस्थित रहे।



सिहोरा में निकला एतिहासिक दशहरा चल समारोह



सिहोरा (स्वतंत्र मत)। नगर का ऐतिहासिक दशहरा चल समारोह मंगलवार रात नगर पालिका के संयोजन में निकला। आदिशक्ति को विदाई देने हजारों श्रद्धालु उमड़े। समारोह में 11 दुर्गा प्रतिमाएं शामिल हुईं। नगर पालिका कर्मचारी सुशील वर्मा के अनुसार, रात में चार दर्जन से अधिक प्रतिमाओं का विसर्जन हो

चुका था। दूसरे दिन भी सुबह से शाम तक विसर्जन चलता रहा। समारोह में बेबी विनय पाल, गीता पटेल, किशन जानवानी, ख्याल दास जानवानी, राजेश दाहिया, सारिका साहू आदि की उपस्थिति रही।



फोटो : अनिल तिवारी

सिंदूर खेलकर मां दुर्गा को दी गई भावभीनी विदाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विजयादशमी के पावन अवसर पर रविंद्र नगर, अथारताल में बंगाली परंपरा एवं धार्मिक आस्था के साथ माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना, महिलाओं के पारंपरिक सिंदूर खेला तथा माँ दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इसके पश्चात महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर बंगाली संस्कृति की प्रसिद्ध परंपरा 'सिंदूर खेला' निभाई। इस आयोजन में अध्यक्ष सुजीत लोध एवं सचिव प्रदीप दे मजूमदार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का समापन माँ दुर्गा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना के साथ हुआ।



शहर के विकास को गति देनी होगी पहली प्राथमिकता

नवागत निगमायुक्त अग्रिम कुमार ने संभाला पदभार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर निगम के नवागत निगमायुक्त अग्रिम कुमार ने आज दिनांक 21 अक्टूबर को प्रातः 10.30 बजे कार्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालते ही उन्होंने शहर के विकास, स्वच्छता व्यवस्था और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर अपनी स्पष्ट प्रार्थमिकताएं और कार्ययोजना साझा की। निगमायुक्त अग्रिम कुमार ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए स्वच्छता सर्वेक्षण के मानकों को ध्यान में रखते हुए कचरा संग्रहण, डोर-टू-डोर कलेक्शन और सार्वजनिक स्थलों की नियमित साफ-सफाई पर विशेष जोर दिया जाएगा। नागरिकों की बुनियादी सुविधाएं जैसे- पेयजल आपूर्ति, सुगम सड़क व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट और जल निकासी समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों के प्रमुखों को निर्देशित किया गया है।



RUBY MOVIE MAGIC NATIONAL AWARD WINNER MULTIPLEX	
DRISHYAM THE CONCLUSION (HIN)	10:30 AM, 1:30 PM, 4:30 PM, 7:30 PM & 10:25 PM
NAYYI NAVELLI (HIN)	11:30 AM, 5:00 PM & 10:35 PM RUBY 10:10 PM
PRAHAAR (HIN)	2:15 PM RUBY 2:15 PM, 4:50 PM, 7:40 PM, 9:55 PM
HANUMAN ANSH (HIN)	RUBY 7:15 PM
RAJINI: THE JAILER 2 (HIN)	9:30 AM, 12:40 PM, 3:50 PM, 7:00 PM & 10:10 PM RUBY 1:15 PM, 4:15 PM & 7:20 PM
MOVIE MAGIC 5 BIG SCREENS Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE	
Bulk Booking / Advertising Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807507	